राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 15 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–171 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त

### अमीषा बोलीं- बॉलीवुड का चार्म कम हो रहा है

अमीषा पटेल जल्द ही सनी देओल के साथ फिल्म गदर 2 में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने मीडिया से बॉलीवुड के घटते हुए चार्म और हीरोइनों को ऑफर हो रहे रोल पर बात की। उन्होंने बॉक्स-ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों के पिछड़ने पर भी अपनी राय दी। रिपब्लिक डिजिटल को दिए इंटरव्यू में अमीषा ने कहा कि अब बॉलीवुड फिल्मों में फीमेल एक्टर्स को मजबूत और दमदार रोल कम ही मिल रहे हैं। साथ ही उन्हें फिल्मों के पोस्टर में भी जगह नहीं मिल रही है। यही वजह है कि बॉलीवुड का चार्म अब कम होता जा रहा है। इंटरव्यू के दौरान अमीषा ने पिछले दिनों को याद करते हुए कहा- एक समय था जब फिल्म के हर आस्पेक्ट पर गौर किया जाता था। हीरो, हीरोइन से लेकर फिल्म का पोस्टर, गाने, स्टाइल और ग्लैमर हर चीज को अहमियत दी जाती थी। लोग फिल्मों के गानों से आकर्षित होकर ही फिल्म देखने आएं, ऐसा उस समय बहुत कॉमन था। ऑडियंस फिल्मों में विलेन, कॉमेडियन, म्यूजिक और फैशन सेंस भी बड़े शौक से देखती थी। लेकिन, अब ये सब गायब होता जा रहा है। लोग बॉलीवुड के चार्म से प्यार करते थे, वो खत्म हो रहा है। अमीषा पटेल ने फिल्मों के

## पृथ्वी की कक्षा में स्थापित, 40 दिन बाद चांद पर उतरेगा, पीएम ने वैज्ञानिकों को दी बधाई

**नई दिल्ली।** इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी इसरो ने आज शुक्रवार (14 जुलाई) को चंद्रयान-3 मिशन को सक्सेसफुली लॉन्च किया। दोपहर 2 बजकर 35 मिनट पर सतीश धवन स्पेस सेंटर से LVM3-M4 रॉकेट के जरिए चंद्रयान को स्पेस में भेजा गया है। 16 मिनट बाद चंद्रयान को रॉकेट ने पृथ्वी की ऑर्बिट में प्लेस किया। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने इस सक्सेसफुल लॉन्च के बाद कहा कि चंद्रयान 3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट के तीन लैंडर/रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल हैं। करीब 40 दिन बाद, यानी 23 या 24 अगस्त को लैंडर और रोवर चांद के साउथ पोल पर उतरेंगे। ये दोनों 14 दिन तक चांद पर एक्सपेरिमेंट करेंगे। प्रोपल्शन मॉड्यूल चंद्रमा के ऑर्बिट में रहकर धरती से आने वाले रेडिएशन्स की स्टडी करेगा। मिशन के जरिए इसरो पता लगाएगा कि लूनर सरफेस कितनी सिस्मिक है, सॉइल और डस्ट की स्टडी की जाएगी। अगर मिशन सक्सेसफुल रहा तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। वहीं चंद्रयान-3 की सफल लॉन्चिंग पर पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा, "चंद्रयान-3 ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय लिखा है। यह हर भारतीय के सपनों और महत्वाकांक्षाओं को ऊपर उठाते हुए ऊंची उड़ान भरता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं उनकी भावना और प्रतिभा को सलाम करता हूं।" अमेरिका और रूस दोनों के चंद्रमा पर सक्सेसफुली उतरने से पहले कई स्पेस क्राफ्ट क्रैश हुए थे। चीन 2013 में चांग'ई-3 मिशन के साथ अपने पहले प्रयास में सफल होने वाला एकमात्र देश है। चंद्रयान-3 का बजट लगभग 615 करोड़ रुपए है, जबकि हाल ही में आई फिल्म आदिपुरुष की कॉस्ट 700 करोड़ रुपए थी। यानी चंद्रयान-3 इस मूवी की कॉस्ट से करीब 85 करोड़ रुपए सस्ता है। इससे 4 साल पहले भेजे गए चंद्रयान 2 की लागत भी 603 करोड़ रुपए थी। हालांकि, इसकी लॉन्चिंग पर भी 375 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग से पहले पीएम मोदी ने मिशन के लिए शुभकामनाएं दीं। भारत के स्पेस सेक्टर में 14 जुलाई 2023 की तारीख हमेशा सुनहरे अक्षरों में अंकित रहेगी। हमारा तीसरा चंद्र मिशन चंद्रयान-3 अपनी यात्रा पर निकलेगा। यह मिशन हमारे राष्ट्र की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

## लाठीचार्ज के विरोध में बीजेपी का राजभवन मार्च

**पटना।** बिहार विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। आज मानसून सत्र का पांचवा और आखिरी दिन था। आखिरी दिन भी विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। इस बीच बीजेपी विधायकों ने गुरुवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में राजभवन तक मार्च निकाला। सम्राट चौधरी के साथ कुछ भाजपा नेता राजभवन के अंदर गए हैं। साथ में जीतन राम मांझी और प्रिंस राज भी हैं। राजभवन जाने से पहले विजय सिन्हा ने कहा कि राजयपाल विधानसभा के कस्टोडियन होते हैं। उन्हें राज्य की मौजूदा स्थिति से अवगत कराएंगे। राज्य सरकार की मंशा भ्रष्टाचारियों को बचाने की है। ये अपराध और भ्रष्टाचार को दबाने और छुपाने में जुट गए हैं। दोपहर साढ़े तीन बजे बीजेपी विधानसभा से राजभवन तक मार्च करेगी। राज्यपाल को कल हुए लाठीचार्ज और बीजेपी कार्यकर्ता की मौत को लेकर ज्ञापन सौंपेंगी। बीजेपी सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के इस्तीफे की मांग कर रही है। इससे पहले सुबह सदन की कार्यवाही महज 4 मिनट चली। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायकों ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। विधायक संजय सिंह टेबल पर चढ़ गए। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने विधायक को मार्शल से बाहर निकलवा दिया।

## शिंदे सरकार में विभागों का बंटवारा

### अजित पवार को वित्त मंत्रालय, जानें भुजबल समेत किसे क्या मिला

**मुम्बई।** महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद का विस्तार आखिरकार कर दिया गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के बीच कई दिनों से चल रही मैराथन बैठकों के बीच शुक्रवार को विभागों का बंटवारा कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, अजित पवार को वित्त और योजना विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। छगल भुजबल को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग सौंपा गया है। दिलीप वाल्से पाटिल को सहकारिता, अदिति तटकरे को महिला और बाल विकास, धनंजय मुंडे को कृषि की जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा हसन मुशरीफ को स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालय तथा अनिल पाटिल को राहत और पुनर्वास, आपदा प्रबंधन विभाग दिया गया है। बता दें कि कृषि मंत्रालय पहले मुख्यमंत्री शिंदे के पास था। इसके अलावा भाजपा नेताओं के पास स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल मंत्रालय थे। धर्मराव बाबा आत्राम को खाद्य एवं औषधि मंत्रालय और संजय बनसोडे को खेल और युवा कल्याण दिया गया है। दो जुलाई को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजित पवार और उनकी पार्टी के आठ अन्य विधायकों ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद की शपथ ली थी। इस चौंकाने वाले कदम से शरद पवार के नेतृत्व वाले संगठन में विभाजन हो गया था।

## फ्रांस में इंडियन एयरफोर्स के राफेल का फ्लाईपास्ट

### पीएम मोदी ने ली भारतीय दस्ते की सलामी, सारे जहां से अच्छा की धुन बजाई गई

**नई दिल्ली/पेरिस।** फ्रांस की बैस्टिल डे परेड में शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुए हैं। इस परेड में शामिल होने वाले वे दूसरे प्रधानमंत्री हैं। उन्हें फ्रांस की फर्स्ट लेडी ब्रिजेट मैंक्रो ने रिसीव किया। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। परेड में भारतीय राफेल ने उड़ा भरी। तीनों सेनाओं के मार्चिंग दस्ते के 269 जवानों ने परेड में हिस्सा लिया। उनकी एंट्री सारे जहां से अच्छा की धुन के साथ हुई। पीएम मोदी ने खड़े होकर भारतीय सेना के दस्ते की सलामी ली। इसमें भारतीय सेना के पंजाब रेजिमेंट का 77 मार्चिंग दस्ता और बैंड के 38 जवान भी शामिल रहे। चैम्प्स एल्सीज पर भारतीय वायुसेना के 3 राफेल फाइटर जेट ने फ्रांस के लड़ाकू विमानों के साथ फ्लाईपास्ट किया। सेना की टुकड़ी का नेतृत्व कैप्टन अमन जगताप, नौसैनिक दल को नेतृत्व कमांडर व्रत बघेल लीड ने किया। वहीं, फ्रांस में इंडियन एयरफोर्स के दस्ते का नेतृत्व स्क्वाड्रन लीडर सिंदु रेड्डी ने किया। खास बात ये है कि आमतौर पर फ्रांस एक से ज्यादा फॉरेन गेस्ट को इस समारोह के लिए आमंत्रित करता है, लेकिन इस बार इवेंट में पीएम मोदी इकलौते विदेशी मेहमान होंगे। मोदी से पहले साल 2009 में पहली बार तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह को फ्रांस के राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने बतौर चीफ गेस्ट इनवाइट किया था। बैस्टिल डे परेड के बाद भारत और फ्रांस के बीच डेलिगेशन लेवल की बातचीत होगी। पीएम मोदी फ्रांस की नेशनल असैंबली के अध्यक्ष येल ब्रॉन पिवेट से मुलाकात करेंगे। इसके बाद पीएम भारत-फ्रांस के कारोबारियों के साथ भी बैठक करेंगे। इस दौरान उनके साथ राष्ट्रपति मैक्रों भी मौजूद रह सकते हैं। पीएम मोदी के सम्मान में मैक्रों वर्ल्ड फेमस लूव्र म्यूजियम के कोर मार्ली कोर्टयार्ड में एक स्टेट बैन्क्वेट भी होस्ट करेंगे। इसमें 250 डिग्निटरीज शामिल होंगे। डिनर में पीएम मोदी के लिए खास वेजिटेरियन मेन्यू तैयार किया गया है। मैक्रों मोदी को लूव्र म्यूजियम का एक टूर भी कराएंगे। यहीं पर दुनिया की सबसे चर्चित और महंगी माने जाने वाली मोनालिसा पेंटिंग भी मौजूद है। म्यूजियम के टूर के बाद इसकी छत से मोदी और मैक्रों एफिल टावर के ऊपर होने वाली आतिशबाजी का आनंद उठाएंगे।

## निकाह के 2 घंटे बाद तीन तलाक, 7 पर एफआईआर

**आगरा ।** निकाह के 2 घंटे बाद ही दूल्हे ने तलाक दे दिया। दहेज में कार और ज्यादा जेवर न मिलने पर उसने दुल्हन को साथ ले जाने से इनकार कर दिया। इस दौरान लड़के के परिवार वाले भी उसका साथ देते रहे। वहीं, लड़की के घर वाले मिन्नते मांगते रहे, लेकिन वह नहीं माने। करीब 2 घंटे तक ये विवाद चलता रहा। इसके बाद दूल्हा तीन तलाक बोलकर चला गया। लड़की पक्ष ने ताजगंज थाने में 7 लोगों के खिलाफ एफआईटार दर्ज कराई है। ढोलीखार, मंटोला निवासी दुल्हन के भाई कामरान वारसी ने बताया, 'बुधवार रात को ताजनगरी के प्रियांशु गार्डन में 2 बहनों की शादी थी। बहन गौरी का निकाह हो गया था। वह विदा हो गई। इसके बाद दूसरी बहन डॉली का निकाह आसिफ के साथ तड़के 4 बजे के करीब हुआ। शादी में बहनों को गृहस्थी का सामान, जेवरात, कैश दिया गया। साथ ही, दावत पर करीब 30 लाख रुपए खर्च किए गए। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे जब विदाई का समय आया तो आसिफ और उसके परिवार के लोग अड़ गए। आसिफ की मां मुन्नी देवी ने कहा, इतने पैसे में क्या होगा।

## नदी में डूबे चार लोगों की मौत

**बिजनौर।** बरसाती नदी में आए तेज बहाव ने कहर मचाया हुआ है। नदी में आए तेज बहाव के कारण एक टेंपो पानी में डूब गया, जिससे दो महिलाओं व दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। वहीं, गोताखोरों ने चारों शवों को बाहर निकाल लिया है। उधर, परिवार व गांव में मातम पसरा है। बिजनौर के नगीना में गुरुवार रात को बरसाती नदी में पानी के तेज बहाव के चलते एक टेंपो पानी में डूब गया था। वहीं, टेंपो में सवार दो महिलाओं व दो बच्चियां डूब गईं, जबकि बच्चों के पिता ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। बताया गया कि पानी में डूबने से दो महिलाओं और दोनों बच्चियों की मौत हो गई हैं। पुलिस ने चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। नगीना के मोहल्ला कलालान निवासी अनवर पुत्र अब्दुल जब्बार अपनी पत्नी रूबी (27), बहन सानवी व पुत्री उमेदा (3) व आयशा डेढ़ वर्ष के साथ अपने टेंपो से दवाई लेने पुरैनी गया था। इसके बाद वह दवाई लेकर रात में करीब 9:30 बजे वापस लौटने के दौरान टोल प्लाजा पर टैक्स बचाने के चक्कर में ग्राम कोटरा के रास्ते वापस आ रहा था। इसी बीच रास्ते में पोधाई नदी पर काफी जलभराव होने के कारण सड़क दिखाई नहीं दी और वे टेंपो सहित नदी में गिर गए।

## दादा-दादी को पालकी में बैठाकर कावड़ ला रहे राहुल

**गाजियाबाद।** मोदीनगर के मुरादनगर में दादा और दादी को पालकी में बैठा करके शुक्रवार दोपहर 12 बजे जब राहुल सैनी पाइपलाइन पटरी स्थित चुंगी नम्बर तीन पर लगे कांवड़ सेवा शिविर में पहुंचे। उनको देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। उनका फूल बरसाकर स्वागत किया गया। साहिबाबाद के फरूखनगर निवासी राहुल सैनी वैसे तो हर वर्ष हरिद्वार से कांवड़ लेकर आते है। इस बार में वह अपने 85 वर्षीय दादा धन्नो सैनी व 80 वर्षीय दादी बलवीरी को पालकी में बैठाकर कांवड़ लेकर आ रहे है। राहुल सैनी शुक्रवार दोपहर कांवड़ में अपनी दादा-दादी को लेकर पाइप लाइन मार्ग स्थित चुंगी नम्बर तीन स्थित कांवड़ सेवा शिविर में पहुंचे। तो उनकों देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इसके अलावा उनके परिवार के सात सदस्य भी 101 लीटर गंगाजल लेकर साथ ही कांवड़ लेकर आ रहे है। उनके कांवड़ सेवा शिविर में पहुंचने पर विनोद मिश्रा बोबी पंड़ित,यशवीर चौधरी व रमेश त्यागी ने उन पर पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। राहुल सैनी ने बताया कि दादा और दादी ने काफी समय पहले कहा था कि काश हम भी कांवड़ लेकर आते। उन्होंने बताया कि उम्र ज्यादा होने के कारण दादा-दादी पैदल चलकर कांवड़ तो नहीं ला सकते, लेकिन उनकी इच्छा मै तो पूरी कर सकता था। इसलिए इस बार पालकी में बैठाकर कांवड़ लेकर आ रहा हुं।राहुल सैनी ने बताया कि 20 जून को हरिद्वार से कांवड़ उठाई थी। उन्होंने बताया कि वह रोजाना पांच से छह किलोमीटर की यात्रा करते है। वह दिल्ली-मेरठ मार्ग से होते हुए मुरादनगर पहुंचे। अब पाइप लाइन मार्ग से होते हुए अपने गांव फरखनगर पहुंचकर शिवरात्रि पर मंदिर में जल चढ़ाएगे। दादा व दादी ने बताया कि हम अपनी उम्र के अंतिम पड़ाव पर है। हमारे पोते ने कांवड़ लाकर के हमारी इच्छा पूरी कर दी है। उनका कहना है कि भोलेनाथ ऐसा पोता सभी को दे।

## संपादकीय

### जेल नहीं जुर्माना

अक्सर सवाल उठाया जाता है कि क्या स्वतंत्रता मिलने के बावजूद देश का कानून उतना संवेदनशील व व्यावहारिक है, जो किसी लोकतांत्रिक देश के लिये अपरिहार्य होना चाहिए। विभिन्न मामलों में कानून की परिभाषा के अंतर्गत तमाम ऐसे व्यवस्थागत अतिक्रमण हैं जिन्हें गंभीर जुर्म की श्रेणी में रखा गया है। जाने-अनजाने में हुए ऐसे जुर्मों को लेकर जेल की सजा और आर्थिक जुर्माना यानी दोनों लागू होने को लेकर भी सवाल उठाये जाते हैं। सवाल यह भी कि जब जेल हुई है तो आर्थिक दंड क्यों? वहीं दूसरी ओर देश में अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानून प्रचलित हैं जो स्वतंत्र देश की व्यवस्था में तार्किक नजर नहीं आते। राजग सरकार की उस मुहिम की सराहना करनी होगी कि जिसके अंतर्गत उसके नौ साल के कार्यकाल में 1500 ऐसे कानून निरस्त किये गये, जो अमृतकाल तक पहुंचे देश में न्याय की कसौटी में खरे नहीं उतरते थे। दरअसल, तमाम कानून ऐसे थे जो अंग्रेजी राज को स्वतंत्रता सेनानियों के विरोध से संरक्षित करते थे। वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाते थे। इसी दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ी पहल की है और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनविश्वास विधेयक पर मोहर लगा दी है। जिसके अंतर्गत 42 कानूनों में बदलाव किया जायेगा। इनके तहत आने वाले 183 प्रावधानों में बदलाव होगा। दरअसल, इस प्रयास का मकसद अदालतों में मुकदमों का बोझ कम करना, कारोबारी सुगमता बढ़ाना तथा छोटे अपराधों के मामलों में लोगों को जेल जाने से बचाना है। दरअसल, यह पहल छोटे अपराधों के मामले में कारावास की सजा को खत्म करने का प्रयास है। ऐसे मामलों में सिर्फ आर्थिक दंड ही लगाया जायेगा। गत बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनविश्वास( प्रावधान संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी। दरअसल, इस विधेयक को दिसंबर 2022 में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पेश किया था। इस बिल को तार्किक बनाने व इससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये कालांतर संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था। दरअसल, इस मुद्दे पर गंभीर मंथन के लिये 31 सदस्यीय समिति का गठन विशेष रूप से किया गया। जिसमें विधायी और विधि मामलों से जुड़े विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों से लंबा विमर्श किया गया। इतना नहीं, इस मुद्दे पर विभिन्न राज्यों से भी राय ली गई। तदुपरांत, इस वर्ष मार्च में समिति ने अपनी रिपोर्ट दी थी। समिति ने राज्यों को भी ऐसे प्रावधानों में संशोधन के लिये प्रेरित करने की सलाह दी थी। समिति का मानना था कि केंद्र राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों को प्रेरित करे कि वे जनविश्वास विधेयक की तर्ज पर छोटे जुर्मों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने को कानूनी उपाय करें। दरअसल, विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, आर्थिक दंड का निर्धारण गलती की गंभीरता के अनुसार होना चाहिए। गलती की पुनरावृत्ति पर जुर्माना राशि में वृद्धि की जाएगी। दरअसल, इस विधेयक में अंग्रेजी शासन के समय से चले आ रहे अनेक ऐसे कानूनों में कारावास की सजा समाप्त करने की सिफारिश है, जो मौजूदा दौर में तार्किक व न्याय की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। ब्रिटिश कालीन जिन कानूनों में संशोधन होना है उनमें भारतीय डाकघर अधिनियम 1898, कृषि उपज (ग्रेडिंग और मार्किंग) अधिनियम 1937,औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940, सार्वजनिक ऋण अधिनियम 1944 आदि शामिल हैं।

## आज का राशीफल

**मेष** व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

**वृषभ** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

**मिथुन** जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कर्क** आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

**सिंह** व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

**कन्या** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**तुला** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**वृश्चिक** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

**धनु** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**मकर** व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**कुम्भ** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

**मीन** आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

# शिवरात्रि : कांवड़ के गंगाजल से शिवजलाभिषेक का महान पर्व !

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

श्रावण कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की का आरंभ 15 जुलाई को रात 8 बजकर 32 पर हो रहा है। जिसका 16 जुलाई को चतुर्दशी तिथि पर समापन रात को 10 बजकर 7 मिनट पर होगा। भगवान शिव की पूजा निशीथ काल में ही की जाती है। इसलिए मासिक शिवरात्रि का व्रत 15 जुलाई को है। शिव उपासना चार प्रहर में करने का विधान है। इसलिए इस शिवरात्रि के दिन प्रथम प्रहर की पूजा शाम 07 बजकर 20 मिनट से शुरू होकर रात 09 बजकर 53 मिनट तक की जाएगी। इसके बाद द्वितीय प्रहर की पूजा रात को 09 बजकर 53 मिनट से आरंभ होकर मध्यरात्रि 26 मिनट तक की जाएगी। वहीं तृतीय प्रहर की पूजा- अर्चना रात को 12 बजकर 26 मिनट से सुबह 03 बजे तक की जाएगी। इसके बाद 03 बजे से शुरू होकर सुबह 05 बजकर 32 मिनट तक चतुर्थ प्रहर की पूजा की जाएगी। जबकि मासिक शिवरात्रि का व्रत पारण 16 जुलाई को होगा।इस दिन सुबह जल्दी स्नान करके, साफ सुथरे वस्त्र पहनकर पूजा घर में शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, भांग और नालियल अर्पित करें। साथ ही भगवान शिव का रुद्राभिषेक करें। शिव चालीसा और शिव स्तुति करें। दूध से बनी चीजों का भोग लगाएं।आज के दिन ही भोलेनाथ शिव शिवलिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इसलिए यह दिन भोलेनाथ के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। जो लोग इस दिन व्रत रखते हैं, उन पर भगवान शिव की हमेशा कृपा बनी रहती है। वहीं इस दिन जो व्यक्ति सच्चे मन से व्रत रखकर शिवलिंग का शहद, गंगाजल, दूध और दही से अभिषेक करता है, उनके सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं।वस्तुतः एक परमपिता के रूप में, वही ईश्वर है और वही शिव है। एक मात्र शिव ही ब्रहमा,विष्णु और शकंर के भी रचियता है। शिव जीवन मरण से परे है। ज्योति बिन्दू स्वरूप है। वास्तव में शिव एक ऐसा शब्द है जिसके उच्चारण मात्र से परमात्मा की सुखद अनुभूति होने लगती है। शिव को कल्याणकारी तो सभी मानते है, साथ ही शिव ही सत्य है शिव ही सुन्दर है, यह भी सभी स्वीकारते है। परन्तु यदि मनुष्य को शिव का बोध हो जाए तो उसे जीवन मुक्ति का लक्ष्य प्राप्त हो सकता है। गीता में कहा गया है कि जब जब धर्म के मार्ग से लोग विचलित हो जातेहै, समाजमेंअनाचार,पापाचार ,अत्याचार, शोषण, क्रोध, वैमनस्य, आलस्य, लोभ, अहंकार,का मुकता,माया मोह बढ जाता है, तब तब ही परमात्मा को स्वयं आकर राह भटके लोगो को सन्मार्ग पर लाने की प्रेरणा का कार्य करना पडता है। ऐसा हर पाचं हजार साल में पुनरावृत होता है। पहले सतयुग,फिर त्रेता,फिर द्वापर,फिर कलियुग और फिर संगम युग तक की यात्रा इन पांच हजार वर्षो में होती है। हांलाकि सतयुग में हर कोई पवित्र,सस्कारवान,चिन्तामुक्त और सुखमय होता है।परन्तु जैसे जैसे सतयुग से त्रेता और त्रेता से द्वापर तथा द्वापर से कलियुग तक का कालचक्र घूमता है। वैसे वैसे व्यक्ति रूप में मौजूद आत्मायें भी शान्त,पवित्र और सुखमय से अशान्त,दुषित और दुखमय हो जाती है। कलियुग को तो कहा ही गया है दुखों का काल। लेकिन जब कलियुग के अन्त में संगम युग से सतयुग के आगमन की घडी आती है तो यही वह समय जब परमात्मा स्वंय सतयुग की दुनिया बनाने के लिए आत्माओं को पवित्र और पावनता का स्वंय ज्ञान देते है और आत्माओं को सतयुग के काबिल बनाते है। समस्त देवी देवताओ में मात्र शिव ही ऐसे देव है जो देव के देव यानि महादेव है जिन्हे त्रिकालदर्शी भी कहा जाता है। परमात्मा शिव ही निराकारी और ज्योति स्वरूप है जिसे ज्योति बिन्दू रूप में स्वीकारा गया है। परमात्मा सर्व आत्माओं से न्यारा और प्यारा है जो देह से परे है जिसका जन्म मरण नही होता और जो परमधाम का वासी है और जो समस्त संसार का पोषक है। दुनियाभर में ज्योतिर्लिगं के रूप में परमात्मा शिव की पूजा

अर्चना और साधना की जाती है। शिवलिंग को ही ज्योतिर्लिंग के रूप में परमात्मा का स्मृति स्वरूप माना गया है। संसार में सबसे पहले सोमनाथ के मन्दिर में हीरे कोहिनूर से बने शिवलिंग की स्थापना की गई थी।विभिन्न धर्मो में परमात्मा को इसी आकार रूप में मान्यता दी गई।तभी तो विश्व में न सिर्फ 12 ज्योर्तिलिगं परमात्मा के स्मृति स्वरूप में प्रसिद्ध है बल्कि हर शिवालयों में शिवलिगं प्रतिष्ठित होकर परमात्मा का भावपूर्ण स्मरण करा रहे है। वही ज्योतिरूप में धार्मिक स्थलों पर ज्योति अर्थात दीपक प्रज्जवलित कर परमात्मा के ज्योति स्वरूप की साधना की जाती है। शिव परमात्मा ऐसी परम शक्ति है,जिनसे देवताओं ने भी शक्ति प्राप्त की है। भारत के साथसाथमिश्र, यूनान,थाईलैण्ड, जापान, अमेरिका, जर्मनी, जैसे दुनियाभर के अनेक देशों ने परमात्मा शिव के अस्तित्व को स्वीकारा है। धार्मिक चित्रों में स्वंय श्रीराम,श्रीकृष्ण और शंकर भी भगवान शिव की आराधना में ध्यान मग्न दिखाये गए है। जैसा कि पुराणों और धार्मिक ग्रन्थों में भी उल्लेख मिलता है। श्री राम ने जहां रामेश्वरम में शिव की पूजा की तो श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध से पूर्व शिव स्तुति की थी। इसी तरह शंकर को भी भगवान शिव में ध्यान लगाते देखे जाने के चित्र प्रदशित किये गए है। दरअसल शिव और शंकर दोनो अलग अलग है शिव परमपिता परमात्मा है तो ब्रहमा,विष्णु और महेश यानि शंकर उनके देव तभी तो भगवान शिव को देव का देव महादेव अर्थात परमपिता परमात्मा स्वीकारा गया है। ज्योति बिन्दू रूपी शिव ही अल्लाह अर्थात नूर ए इलाही है।वही लाईट आफ गोड है और वही सतनाम है।यानि नाम अलग अलग परन्तु पूरी कायनात का मालिक एक ही परम शक्ति है जो शिव है।सिर्फ भारत के धार्मिक ग्रन्थों और पुराणों में ही शिव के रूप में परमात्मा का उल्लेख नही है बल्कि दुनियाभर के लोग और यहूदी,ईसाई,मुस्लमान भी अपने अपने अंदाज में परमात्मा को ओम,अल्लाह,ओमेन के रूप में स्वीकारते है। सृष्टि की रचना की प्रक्रिया का चिंतन करे तो कहा जाता है कि सृष्टि के आरम्भ में ईश्वर की आत्मा पानी पर डोलती थी और आदिकाल में परमात्मा ने ही आदम व हव्वा को बनाया जिनके द्वारा स्वर्ग की रचना की गई। चाहे शिव पुराण हो या मनुस्मृति या फिर अन्य धार्मिक ग्रन्थ हर एक में परमात्मा के वजूद को तेजस्वी रूप माना गया है। जिज्ञासा होती है कि अगर परमात्मा है तो वह कहां है ,क्या किसी ने परमात्मा से साक्षात किया है या फिर किसी को परमात्मा की कोई अनूठी अनुभूति हुई है। साथ ही यह भी सवाल उठता है कि आत्माये शरीर धारण करने से पहले कहा रहती है और शरीर छोडने पर कहा चली जाती है।इन सवालो का जवाब भी सहज ही उपलब्ध है। सृष्टि चक्र में तीन लोक होते है पहला स्थूल वतन,दूसरा सूक्ष्म वतन और तीसरा मूल वतन अर्थात परमधाम। स्थूल वतन जिसमें हम निवास करते है पांच तत्वों से मिलकर बना है। जिसमें आकाश पृथ्वी,वायु,अग्नि औरजल शामिल है।इसी स्थूल वतन को कर्म क्षेत्र भी कहा गया है।जहां जीवन मरण है और अपने अपने कर्म के अनुसार जीव फल भोगता है। इसके बाद सूक्ष्म वतन सूर्य, चांद और तारों के पार है जिसे ब्रहमपुरी,विष्णुपुरी और शंकरपुरी भी कहा जाता है। सूक्ष्म वतन के बाद मूल वतन है जिसे परमधाम कहा जाता है। यही वह स्थान है जहां परमात्मा निवास करते है। यह वह धाम है जहां सर्व आत्माओ का मूल धाम है। यानि आत्माओं का आवागमन इसी धाम से स्थूल लोक के लिए होता है। आत्माओं का जन्म होता है और परमात्मा का अवतरण होता है। यही आत्मा और परमात्मा में मुख्य अन्तर है। सबसे बडा अन्तर यह भी है कि आत्मा देह धारण करती है जबकि परमात्मा देह से परे है।परमात्मा निराकार है और परमात्मा ज्योर्ति बिन्दू रूप में सम्पूर्ण आत्माओं को प्रकाशमान करता है ,जिससे आत्मा पतित से पावन होकर सर्व सुख प्राप्त करती है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

# भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं भगवान शिव

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(सावन शिवरात्रि (15 जुलाई) पर विशेष)

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 जुलाई शनिवार को रात 8.32 बजे से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 16 जुलाई की रात 10.08 बजे होगा। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा

ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

# बढ़ते साइबर अपराध, सरकार और साइबर क्राइम विभाग की चुप्पी

**बच्चे** से लेकर बड़े तक सभी इंटरनेट का उपयोग करने विवश हैं। इंटरनेट के माध्यम से वेबसाइट और ऐप के माध्यम से बड़े पैमाने पर अपराध हो रहे हैं। अपराधों को रोकने के लिए सरकारी स्तर पर कोई प्रयास नही किए जा रहे हैं। नाही देश का साइबर क्राइम विभाग, अपराधियों को नियंत्रित करने मे कोई प्रभावी कार्यवाही कर पा रहा है। जिसके कारण युवा-युवती, माता-पिता भी सामूहिक आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहे हैं। पुलिस अपराधों की रिपोर्ट दर्ज करके,अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड लेती है। सरकार ने भारतीय नागरिकों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। पिछले एक दशक में बड़े पैमाने पर देश में आत्म हत्या करने वालों की संख्या बढ़ रही है। पहले आत्महत्या कोई एक व्यक्ति अपने निजी कारणों से करता था। लेकिन अब पूरा परिवार सामूहिक आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहा है। इसके बाद भी क्राइम विभाग, पुलिस, साइबर क्राइम, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की चुप्पी हैरान करने वाली है। जब सरकार एक ओर कानून बनाकर ऑनलाइन लेनदेन, ऑनलाइन पढ़ाई, ऑनलाइन परीक्षाएं,ऑनलाइन ठेके, ऑनलाइन रिटर्न भरने, और ऑनलाइन कारोबार करने की बाध्यता नागरिकों पर डालकर इंटरनेट से संचालित होने वाले पोर्टल और ऐप का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है। ऐसी स्थिति में सरकार की भी जिम्मेदारी होती है,कि वह अपने नागरिकों को धोखाधड़ी और अपराधों से बचाने के लिए सजग हो। नागरिकों को कानूनी और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करे। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन ठगी बड़े पैमाने पर देशभर में हो रही है। लाखों मामले बड़े पैमाने पर उजागर हो चुके हैं। सामान्य आदमियों को लूट का शिकार बनाया जा रहा है। इंटरनेट पर ऐसे बहुत से ऐप हैं, जहां पर अश्लीलताके नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है। धोखाधड़ी कर लोगों को सरेआम ठगा जा रहा है। इसी तरह से लोन के बहुत सारे ऐप चल रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई के इस दौर में बिना गारंटी के लोन के चक्कर में फंसकर पूरा परिवार आत्महत्या करने के लिए विवश हो रहा है। सरकार और उसके अधिकारी सत्ता और अधिकारों के मद में मस्त होकर, आम जनता को लुटने-पिटने और मरने के लिए छोड़ दे रहे हैं। रोजाना आत्महत्या के मामले अखबारों में प्रकाशित होते हैं। एक ही जिले में कई आत्महत्या के मामले रोजाना सामने आते हैं। सामाजिक और धार्मिक संगठनों में कार्य करने वाले समाजसेवी भी इतने असंवेदनशील हो गए हैं,कि उन्हें इन सब से कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है। राजनीतिक दलों और धार्मिक गुरु जो आमजनों का नेतृत्व करते हैं। इतने बड़े पैमाने पर हो रही आत्महत्या के बाद भी, वह चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। कहा जाता है,मानव जीवन बहुत मुश्किल से मिलता है। भारत जैसे सनातन धर्म के इस देश में यही मानव जीवन लोग आत्महत्या करके समाप्त कर रहे हैं। भारत जैसे देश में इसको लेकर कोई भी क्रिया और प्रतिक्रिया नहीं होना, सबको आश्चर्यचकित कर रहा है। भोपाल में हाल ही मे एक परिवार के मुखिया को ऑनलाइन नौकरी के बहाने कर्ज के जाल में फंसाया गया। अपराधियों ने लाखों रुपए ब्याज एवं जुर्माने के रूप में वसूल लिए। मामूली लोन अमाउंट पर तरह-तरह के शुल्क और जुर्माना लगाकर लाखों रुपए की वसूली करने के बाद भी जब उसके पास पैसे देने के लिए नहीं बचे, तो उसके मोबाइल फोन पर जो कांटेक्ट लिस्ट थी। उस पर उसे बदनाम करने के लिए अश्लील फोटो और कर्ज वसूल करने के लिए उसके दोस्तों और रिश्तेदारों पर दबाव बनाकर सभी के बीच उसे बदनाम कर दिया। फलस्वरुप उस परिवार का जीवन जीना संभव नहीं रहा। उसने बच्चों और पत्नी के साथ सामूहिक आत्महत्या कर ली। यह पहला प्रकरण नहीं है। इसके पहले भी हजारों इसी तरीके के मामले सामने आ चुके हैं। सरकार अपनी कमाई के लिए इस तरह के ऐप को बढ़ावा देती है। इनको रोकने के लिए सरकार ने कोई कानून नहीं बनाए। ऑनलाइन जुए के कई ऐप पिछले कई महीनों से चल रहे हैं। टीवी पर सेलिब्रिटी ऑनलाइन जुआ खेलने का प्रचार कर रहे हैं। लोग जुआ खेल रहे हैं। कर्ज में जा रहे हैं। चोरी लूट की वारदात बढ़ गई हैं। ऑनलाइन जुए में हारने के बाद पूरे परिवार को आर्थिक संकट में डालकर खुद आत्महत्या करने के लिए लोग विवश हो रहे हैं। वाह-री सरकार जुए के ऐप को बंद करने की बजाय उस पर 28 फ़ीसदी टैक्स लगाकर, सरकार कमाई करना चाहती है। जब सरकार का यह रुख हो। तब तो आम जनता का भगवान ही मालिक है। बिना तैयारी के सरकार ने सबको ऑनलाइन लेनदेन के लिए विवश कर दिया। बिना सुरक्षा दिए,ऑनलाइन कारोबार और सेवाओं के नाम पर लोगों को उनके हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया है। यह भारत में ही संभव हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## थोक महंगाई 8 साल के निचले स्तर - 4.12 फीसदी पर

**नई दिल्ली ।** थोक महंगाई दर से जून महीने में बड़ी राहत मिली है और ये घटकर 8 सालों के निचले स्तर पर आ गई है। जून में थोक महंगाई दर -4.12 फीसदी पर आई है। इससे पिछले महीने मई में थोक महंगाई दर -3.8 फीसदी पर रही थी। ये लगातार तीसरा महीना है जब होलसेल महंगाई दर निगेटिव में आई है। इसके 8 साल के निचले स्तर पर जाने के बाद महंगाई के मोर्चे पर कुछ राहत मिलती दिखाई दे सकती है। वाणिज्य मंत्रालय से आए इस आंकड़े में बताया गया है कि किन आर्टिकल्स की महंगाई दर में गिरावट देखी गई है। इसमें मुख्य रूप से मिनरल ऑयल, खाने-पीने की वस्तुओं, बेसिक मेटल्स, क्रूड पेट्रोलियम और नैचुरल गैस के दामों में गिरावट आई है। इसके अलावा टेक्सटाइल के दाम भी निचले स्तर पर गए हैं जिसका असर महंगाई दर के कम होने के रूप में देखा जा रहा है। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर शून्य से नीचे है। अप्रैल में यह -0.92 फीसदी पर थी और मई में यह -3.8 फीसदी पर आई थी जबकि जून में थोक महंगाई दर -4.12 फीसदी पर आई है।

## एडटेक स्टार्टअप स्किल-लिंक ने की कर्मचारियों की छंटनी

**चेन्नई ।** चेन्नई स्थित एडटेक स्टार्टअप स्किल-लिंक ने अपनी लागत में कटौती कर फिर लगभग 225 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। स्किल लिंक के सह-संस्थापक सूर्यनारायण पनीरसेल्वम ने कहा कि यह कदम परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भविष्य में निवेश को सीमित करने के लिए लिया गया है। अप्रैल में स्किल लिंक ने कम से कम 400 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था, इसमें वैश्विक आर्थिक स्थितियों का हवाला दिया गया था। पहले की छंटनी ने सेल्स, मार्केटिंग टेक टेक्नोलॉजी और टैलेंट एक्वीजीशन टीमों को प्रभावित किया था। सूर्यनारायणन और सारंगराजन वी द्वारा अप्रैल 2015 में लांच किए गए एडटेक अपस्किलिंग स्टार्टअप का उद्देश्य स्नातक इंजीनियरिंग शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता और अनुप्रयोग आधारित शिक्षा की कमी को दूर करना है। सूर्यनारायणन ने बताया, व्यापक आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, हमने अपनी विकास उम्मीदों को कम करने और भविष्य पर केंद्रित कुछ परियोजनाओं को धीमा करने का फैसला किया है।

## हुंडई ने कोरिया में महिला ऑटो तकनीशियनों को किया नियुक्त

**नई दिल्ली।** हुंडई दुनिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी में से एक है। हाल ही में हुंडई ने दक्षिण कोरिया में लगभग 200 नए तकनीशियनों को नियुक्त किया है, जिसमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि कंपनी ने दक्षिण कोरियाई प्लांट में महिलाओं को नौकरी पर रखा है। हुंडई ने लैंगिक अंतर को सुधारने और कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव को देखते हुए ये फैसला लिया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि दक्षिण कोरिया में सिर्फ उप-ठेकेदारों द्वारा महिलाओं को तकनीशियन के रूप में काम पर रखा गया था। इस भूमिका में महिलाओं को अस्थायी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया था। हुंडई अब अपने देश में लगभग 500 तकनीशियनों के लिए अपने दरवाजे खोलने की योजना बना रही है और आखिरकार बड़ी संख्या में महिलाएं स्थायी कार्यबल का हिस्सा हो सकती हैं। बता दें कार निर्माता कंपनियां लैंगिक समानता स्थापित करने और उजागर करने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। भारत में कई कंपनियों की असेंबली और प्रॉडक्शन में सिर्फ महिलाएं काम करती हैं।

# आईपीओ लाने की तैयारी में अस्सी कंपनियां: आईआईएफएल

**नई दिल्ली ।**

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, स्नैपडील, टाटा टेक्नोलॉजीज, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और गो डिजिट इंश्योरेंस समेत 80 कंपनियां आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में हैं। ब्रोकरेज कंपनी आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पिछले तीन महीनों से आईपीओ बाजार में तेजी देखी जा रही है। इसकी शुरुआत मैनकाइंड फार्मा के साथ हुई। कंपनी के 4,326 करोड़ रुपये के आईपीओ के साथ पूंजी बाजार में दस्तक दी। इसे निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया। सूचीबद्ध होने के बाद इसका प्रदर्शन बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि तब से पांच और आईपीओ आ चुके हैं। अगले चार-आठ सप्ताह में कई आईपीओ आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा` कि आज की तारीख तक लगभग 80 कंपनियों ने आईपीओ के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास पेशकश दस्तावेज का मसौदा जमा किए हैं। हमें उम्मीद है कि उनमें से कई अगले कुछ महीनों में बाजार में आएंगे। इन कंपनियों में इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, स्नैपडील, टाटा

टेक्नोलॉजीज, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और गो डिजिट इंश्योरेंस शामिल हैं।उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य और विनिर्माण सहित कई क्षेत्रों में पूंजी जुटाने का दायरा व्यापक होने की संभावना है।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.19 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे मजबूत होकर 81.96 पर पहुंच गया हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भारतीय मुद्रा में कमजोरी रही। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.97 पर मजबूती से खुला और थोड़ी ही देर में 81.96 के भाव पर पहुंच गया। इस तरह पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले रुपये में 12 पैसे की बढ़त दर्ज की गई। गुरुवार को रुपया 82.08 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 फीसदी नीचे गिरकर 99.26 पर आ गया।

## एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक क्रेडिट कार्ड से कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

**नई दिल्ली ।** अगर आप एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक अब अपने बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से यूपीआई लेनदेन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप से लिंक करना होगा। फिलहाल यह सुविधा एनपीसीआई द्वारा संचालित भीम ऐप पर शुरू हो गई है। आप अपने सबीआई और आईसीआईसीआई बैंक की ओर से जारी रूपे क्रेडिट कार्ड को भीम ऐप से लिंक कर सकते हैं और पड़ोस के किराना स्टोर पर मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर या ऑनलाइन अपने क्रेडिट कार्ड से पेमेंट कर सकते हैं। बता दें कि भीम ऐप पर अब तक 11 बैंकों के रूपे क्रेडिट कार्ड को लिंक कर सकते हैं। रूपे क्रेडिट कार्ड से आप वैसे ही यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे, जैसा कि बैंक अकाउंट से करते हैं। बस यहां पैसे आपके रूपे क्रेडिट कार्ड से कटेंगे। बता दें कि साल 2022 रूपे क्रेडिट कार्ड ऑन यूपीआई सुविधा की शुरुआत हुई थी। अब आप पड़ोस के दुकान पर स्कैन कर क्रेडिट कार्ड से भी पेमेंट कर सकेंगे। हालांकि रूपे क्रेडिट कार्ड के जरिए आप केवल मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन कर ही पेमेंट कर सकते हैं या ऑनलाइन मर्चेंट को पेमेंट कर सकते हैं। पी2पी जैसे कुछ पेमेंट नहीं कर सकते हैं। भीम के अलावा गूगल पे, पेटीएम, फोनपे, पेजैप, फ्रीचार्ज जैसे चुनिंदा यूपीआई ऐप्स पर कुछ बैंकों के रूपे क्रेडिट लाइव हो चुके हैं।

# शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद , पहली बार 19,500 के ऊपर पहुंचा निफ्टी

### सेंसेक्स 66 हजार के आगे निकला

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आई है। पहली बार निफ्टी 19,500 के पार गया है। इसके साथ ही निफ्टी आईटी इंडेक्स में अच्छी बढ़त रही। आज कारोबार में धातु, संपत्ति और उपभोक्ता शेयरों में खरीदारी रही। इसके अलावा वाहन, बैंकिंग और इंफ्रा इंडेक्स में भी उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 502.01 अंक करीब 0.77 फीसदी बढ़कर 66,060.90 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का एनएसई निफ्टी 150.75 अंक तकारीबन 0.78 फीसदी की बढ़त के साथ ही 19564.50 अंक पर बंद हुआ। आज दिग्गज कंपनी टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिन्द्रा और एचसीएल टेक्नोलॉजीज निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचडीएफसी लाइफ, एमएंडएम , पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाइटन कंपनी और डॉ रेड्डी लैब निफ्टी के नुकसान वाले शेयर रहे। गत कारोबारी सत्र में बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की बढ़त से शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 300 अंकों के से अधिक की बढ़त दिखी। वहीं दूसरी ओर निफ्टी भी 95 अंकों की मजबूती

के साथ 19500 के पार कारोबार करता दिखा। अमेरिकी बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। एशियाई बाजारों में भी ज्यादातर तेजी देखी गई।

**महंगाई दर घटी**

जून में थोक महंगाई दर घटकर 8 साल के निचले स्तर पर आ गई है। जून में होलसेल प्राइस इंडेक्स रेट -4.12 फीसदी रही जबकि मई में थोक महंगाई दर -3.8 फीसदी पर रही थी।

**कई कंपनियां ला रहीं आईपीओ**

इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस, स्नैपडील, टाटा टेक्नोलॉजीज, नेटवेब टेक्नोलॉजीज और गो डिजिट इंश्योरेंस समेत 80 कंपनियां आने वाले दिनों में आईपीओ लाने की तैयारी में हैं।

# कोलकाता बेस्ड कंपनी के शेयरों की धमाकेदार लिस्टिंग

**नई दिल्ली ।**

सेनको गोल्ड के शेयरों की शुक्रवार को धमाकेदार लिस्टिंग हुई है और आईपीओ में शेयर लेने वालों को जबरदस्त लिस्टिंग गेन मिला है। सेनको गोल्ड के शेयर शुक्रवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो गए हैं। बीएसई पर सेनको गोल्ड डायमंड्स के शेयर 431 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुए हैं जो कि 36 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्टिंग दिखाता है। इसके मुताबिक सेनको गोल्ड के आईपीओ में मिले शेयरों पर निवेशकों को 114 रुपए प्रति शेयर का फायदा हुआ है। एनएसई पर सेनको गोल्ड डायमंड्स के शेयरों की लिस्टिंग 430 रुपए पर हुई है और आईपीओ में इसके शेयरों का प्राइस बैंड 317 रुपए प्रति शेयर पर रखा गया था। इस तरह सेनको गोल्ड डायमंड्स के शेयरों की लिस्टिंग से निवेशकों को हर शेयर पर 113 रुपए का फायदा मिला है। सेनको गोल्ड के ग्रे मार्केट प्राइस देखने पर माना जा रहा था कि आईपीओ 35 से 40 फीसदी के प्रीमियम पर लिस्ट हो सकता है और ऐसा ही हुआ। सेनको गोल्ड के आईपीओ को निवेशकों की तरफ से शानदार प्रतिसाद देखने को मिला था। सेनको गोल्ड का आईपीओ कुल 73.35 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं कंपनी ने आईपीओ के जरिए बाजार से 405 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। कोलकाता बेस्ड कंपनी सेनको गोल्ड का आईपीओ 4 जुलाई को निवेशकों के लिए खुला था और 6 जुलाई निवेश करने का आखिरी दिन था। कंपनी ने 301

-317 रुपए प्रति शेयर आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स किया था। सेनको गोल्ड डायमंड्स ने अपने आईपीओ के जरिए 405 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसमें 270 करोड़ रुपए नए शेयर्स जारी कर और 135 करोड़ रुपए ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाए गए हैं।

## ज़ोमैटो ने अस्थाई रूप से बंद की यूपीआई सेवा

**नई दिल्ली ।** फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ज़ोमैटो ने मई में शुरू किए गए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस पर नए उपयोगकर्ताओं की ऑनबोर्डिंग को अस्थाई तौर पर रोक दिया है। कंपनी ने कहा कि वह महीने के ओ खिर तक ऐप पर नए उपयोगकर्ताओं का नामांकन शुरू कर देगी। इस साल मई में कंपनी ने आईसीआईसीआई बैंक के साथ साझेदारी में देश के कुछ उपयोगकर्ताओं के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाएं शुरू की थी। ज़ोमैटो के एक प्रवक्ता ने कहा` कि नए यूजर्स ऑनबोर्डिंग के लिए यूपीआई पेशकश को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है, सिर्फ ऑनबोर्डिंग फ्लो पर फीडबैक शामिल प्राप्त करने के लिए हम महीने के ओ खिर तक नए उपयोगकर्ताओं का नामांकन शुरू कर देंगे। यूपीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा विकसित एक वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है। यह ऐप्स पर यूपीआई पिन का उपयोग करके उपयोगकर्ता के फोन से सीधे मनी ट्रांसफर की सुविधा प्रदान करती है। देश में यूपीआई सेवा प्रदान करने वाले कुछ शीर्ष खिलाड़ी गूगल पे, पेटीएम और फोन पे हैं। बता दें कि देशभर में करोड़ों लोग हर दिन जोमैटो से खाना मंगाते हैं। देश भर में जोमैटो का ऑर्डर वॉल्यूम 500 मिलियन के करीब है और यह नंबर साल 2026 तक 1.6 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है। ये प्लेटफार्म पर लाखों लोग नौकरी भी कर रहे हैं।

# कच्चे तेल में तेजी, पटना में 30 पैसे सस्ता हुआ पेट्रोल

### - ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 81.65 डॉलर प्रति बैरल

**नई दिल्ली ।**

क्रूड की कीमतों में लगातार उछाल का सिलसिला जारी है। वैश्विक बाजार में बीते 24 घंटों के दौरान क्रूड का भाव बढ़कर 82 डॉलर के करीब पहुंच गया है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल के खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। शुक्रवार को कई शहरों में तेल की खुदरा कीमतें बदल गई हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 14 पैसे महंगा हुआ और 96.58 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 13 पैसे चढ़कर 89.75 रुपए लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 30 पैसे सस्ता होकर 107.24 रुपए लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 28 पैसे गिरकर 94.04 रुपए लीटर हो गया है। हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल 19 पैसे गिरकर 96.99 रुपए लीटर हो गया है, लेकिन डीजल 2 पैसे सस्ता होकर 89.84 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में फिर उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 81.65 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। डब्ल्यूटीआई भी वै श्विक बाजार में 77.25 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.99 रुपए और डीजल 89.84 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

## सरकार जल्द घटा सकती है घी और मक्खन की कीमत

**नई दिल्ली ।**

दूध और दही सहित सभी डेयरी उत्पादों की कीमतें बढ़ने के बाद घी और मक्खन के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। सरकार जल्द इन दोनों उत्पादों के की कीहत घटाने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि घी और मक्े खन पर जीएसटी (जीएसटी) की दर करीब 7 फीसदी घटाई जा सकती है। इसके बाद दोनों उत्पादों के दाम कम हो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार घी और मक्े खन पर लगने वाले मौजूदा 12 फीसदी जीसटी को घटाकर 5 फीसदी कर दिया जाएगा। इससे कीमतों में करीब 4 फीसदी की गिरावट आ सकती है। घी और मक्े खन के दाम घटाने का प्रस्े ताव पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने वित्त मंत्रालय को भेजा है। साथ ही जीएसटी फिटमेंट कमेटी को भी इसका प्रस्ताव दिया है, जो जीएसटी परिषद के साथ बातचीत कर इस पर विचार करेगी। अपने प्रस्ताव में डेयरी विभाग ने कहा है कि अगर आप घी को लग्े जरी प्रोडक्ट की कैटेगरी में रखते हैं और इस पर 12 फीसदी जीएसटी स्लैब लगाते हैं तो इसका नुकसान उपभोक्ताओं के साथ किसानों को भी होगा। जीएसटी परिषद को पिछले साल भी पैकेज्ड मिल्क प्रोडक्ट जैसे पनीर, कर्ड, लस्सी और छाछ पर 5 फीसदी टैक्स लगाने का प्रस्ताव भेजा था।

अभी इस पर 12 फीसदी की दर से जीएसटी वसूला जा रहा है। बताया जा रहा है कि घी और बटर पर कुकिंग ऑयल जितना ही जीएसटी लगना चाहिए, जो 5 फीसदी है। इससे किसानों को अपने उत्पादों का सही मोल मिल सकेगा। इसका फायदा न सिर्फ किसानों को मिलेगा, बल्कि इससे महंगाई पर लगाम कसने में भी मदद मिलेगी।

## विदेशी गेमिंग प्लेटफॉर्मों के लिए सख्त मानकों पर चल रहा कामः राजस्व विभाग

**नई दिल्ली ।**

राजस्व विभाग विदेश के ई-गेमिंग प्लेटफॉर्मों पर नजर रखने और उन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के लिए एक अलग व्यवस्था बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इस व्यवस्था के तहत विदेश स्थित ऐप/प्लेटफॉर्म को बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान करने की स्थिति में सख्त घोषणा सुनिश्चित करनी होगी। विभाग विदेशी ऑफशोर इकाइयों के लिए एक नियत समयावधि में कर के मकसद से जीएसटी पंजीकरण अनिवार्य कर सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इसका अनुपालन न करने की स्थिति में भारत में उनकी पहुंच ब्लॉक की जा सकती है और कर वसूली के लिए कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं। जीएसटी परिषद ने खिलाड़ियों से घरेलू ऑनलाइन गेमिंग फर्मों से प्राप्त राशि पर ज्यादा कर लगाने का फैसला किया था, जिसके बाद इस कदम की तैयारी चल रही है। घरेलू ऑनलाइन गेमिंग पर कर लगाने को लेकर मसौदा नियम की तैयारी के बीच विभाग ऑफशोर ई-गेमिंग प्लेटफॉर्मों के लिए बाध्यताओं पर काम कर रहा है, जिससे नए कर नियम लागू किए जा सकें। इस व्यवस्था के तहत बैंकों के माध्यम से विदेश में पैसे भेजने वाले लोगों को अपना मकसद बताने का दायित्व होगा। उदाहरण के लिए उन्हें लेनदेन के दौरान ऐप या प्लेटफॉर्म का विवरण देना होगा, जिससे कि भेजी गई राशि पर तुरंत कर का भुगतान हो सके। अगर कोई व्यक्ति गलत जानकारी देता है तो उसके ऊपर जीएसटी नियमों के तहत कठोर जुर्माना लगाया जाएगा।

# भारत का यूपीआई अब फ्रांस में भी चलेगा

**नई दिल्ली ।**

भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) धीरे-धीरे दुनियाभर में प्रवेश कर रहा है। कई देशों तक यह पहले ही अपनी पहुंच बना चुका है और अब भारत का यूपीआई फ्रांस में भी चलेगा। भारत और फ्रांस के बीच फ्रांस में यूपीआई इस्तेमाल करने को लेकर समझौता हो गया है। फ्रांस के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेमेंट सिस्टम यूपीआई का इस्तेमाल करने को लेकर भारत और फ्रांस के बीच सहमति बनी है। इसके चलते अब फ्रांस के लोग भी यूपीआई का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे भारत के इनोवेशन के लिए एक बड़ा बाजार खुलेगा। पीएम मोदी ने फ्रांस में एक कला केंद्र में भारतीय कम्युनिटी के लोगों से बात करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही एफिल टावर के पास भी भारतीय पर्यटक यूपीआई का इस्तेमाल करते हुए रुपए में भुगतान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यूपीआई के इस्तेमाल के लिए फ्रांस के साथ एक समझौता हुआ है, जिसकी शुरुआत एफिल टावर से होगी। 2022 में यूपीआई सेवा देने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने फ्रांस की तेज और सुरक्षित ऑनलाइन भुगतान प्रणाली लायरा के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

# भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये दो विकेट पर 312 रन , यशस्वी नाबाद 143 रन

## -सहवाग से आगे निकले विराट

**डोमिनिका (एजेंसी)।** यशस्वी जयसवाल (143 नाबाद) के पदार्पण टेस्ट में शतक और कप्तान रोहित शर्मा (103) के साथ दोहरी शतकीय साझीदारी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरूवार को दो विकेट पर 312 रन बना कर 162 रनों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। रविचंद्रन अश्विन के पांच विकेट की घातक गेंदबाजी के चलते वेस्टइंडीज की पहली पारी में महज 150 रन पर सिमट गई थी।

मुंबई के 21 वर्षीय खिलाड़ी का जादू विंडसर पार्क की पिच पर सिर चढ़ कर बोला जिसका मेजबान गेंदबाजों के पास कोई तोड़ नहीं था। दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर को 10वां शतक बनाया। वेस्टइंडीज ने दूसरे सत्र में दो विकेट चटकाए मगर उनके गेंदबाज मेहमान टीम को बड़ी लीड हासिल करने से नहीं रोक सके।

पहले सत्र में पिच से टर्न और उछाल मिलने के चलते वेस्टइंडीज के स्पिनरों ने रोहित और जयसवाल को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। भारतीय बल्लेबाज 32 ओवरों में केवल 66 रन ही बना सके। इस बीच जयसवाल केवल एक चौका लगाने में सफल रहे और उन्होंने अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

दूसरे घंटे में स्पिनरों का दबदबा रहा और उन्होंने टर्न और बाउंस से भारतीय सलामी बल्लेबाजों को परेशान किया। इस बीच राखीम कोरवाल की एक गेंद जायसवाल के बल्ले के बेहद करीब से गुजरी मगर डीआरएस ने मुंबईकर को राहत दी। राखीम एक बार फिर दुर्भाग्यशाली रहे जब रोहित ने एक उछाल लेती गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर हवा में फेंका मगर वह कैच आउट होने से बच गए।

लंच के बाद जयसवाल ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शाट्स लगाये और टेस्ट डेब्यू पर शतक बनाने वाले 17 वें भारतीय बल्लेबाज और तीसरे भारतीय सलामी बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। रोहित के साथ उनकी 229 रनों की साझेदारी भी वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ ओपनिंग साझेदारी थी।

विदेशी जमीन पर एक ही पारी में दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों द्वारा शतक बनाने का केवल छठा उदाहरण है। शतक पूरा करने के बाद रोहित अपना विकेट गंवा बैठे वहीं नये बल्लेबाज शुभमन गिल जोमेल वारिकन की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैच आउट हो गए।

चाय से पहले विराट कोहली (36 नाबाद) वारिकन की गेंद पर लेग-स्लिप पर लगभग लपक लिए गए थे और पहले लेग-बिफोर रिव्यू से बचे लेकिन बाद में उन्होंने जयसवाल के साथ मिलकर पारी को आगे

बढ़ाया। जयसवाल ने जोसेफ की गेंद पर चौका जड़कर कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन का आंकड़ा पार किया। कोहली भी एक्शन में आए और वारिकन की गेंद पर कवर के जरिए अपनी पहली बाउंड्री लगाई।

# अमरीका ओपन सुपर 300: सिंधु और सेन क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, शंकर भी जीते

**काउंसिल ब्लफ्स (अमरीका) (एजेंसी)।** दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु और लक्ष्य सेन ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके यहां अमरीका ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला और पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने कोरिया की सुंग शुओ युन को 21-14, 21-12 से हराया।

पिछले सप्ताह अपने कनाडा ओपन सुपर 500 खिताब जीतने वाले सेन ने चेक गणराज्य के जेन लोदा को 39 मिनट में 21-8, 23-21 से हराया। सिंधु का अगला मुकाबला चीन की गाओ फांग जी से होगा, जबकि पुरुष एकल में मुकाबला दो भारतीय के बीच होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त सेन चेन्नई के 19 वर्षीय एस शंकर मुथुसामी से भिड़ेंगे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप (2022) के रजत पदक विजेता ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए इजराइल की मिशा जिल्बरमैन पर 21-18, 21-23, 21-13 से जीत दर्ज की।

सिंधु को सुंग के खिलाफ ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। सिंधु ने शुरुआत में ही 7-2 की बढ़त बना ली और फिर इसे 13-5 कर लिया। सुंग ने इस अंतर को 11-14 करने में सफल रही लेकिन सिंधु ने इसके बाद अपने दमदार खेल से उनकी वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सिंधु को दूसरे गेम की शुरुआत में सुंग से कड़ी टक्कर मिली। सुंग ने 5-3 की मामूली बढ़त हासिल की लेकिन सिंधु ने इसे 7-7 से बराबर किया और फिर 11-8 की बढ़त ले ली। स्कोर 16-12 होने के बाद सिंधु ने लगातार पांच अंक जुटा कर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सेन ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी के खिलाफ पहले गेम में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने 6-1 की बढ़त लेने के बाद इसे बढ़ाकर 17-5 कर लिया। इसके बाद उन्हें इस गेम को जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। सेन को हालांकि दूसरे गेम में 39 साल के खिलाड़ी ने कड़ी चुनौती दी जेन ने 8-5 की बढ़त लेकर सेन को चौंका दिया। उन्होंने अपनी बढ़त को 19-14 किया लेकिन सेन ने इसके बाद शानदार वापसी की। इस भारतीय खिलाड़ी ने स्कोर को 19-19 बराबर करने के बाद कुछ शानदार बचाव किये और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

# टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा का बड़ा बयान, कहा- हर मैच के लिए योजना बनाने से मदद मिल रही है

**रोसेउ (एजेंसी)।** पुणे। एशियाई खेलों और अगले साल होने वाले ओलंपिक की तैयारियां कर रही भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा का मानना है कि अपना दृष्टिकोण बदलने और प्रत्येक मैच के लिए व्यापक रणनीति बनाने से उनके खेल को बेहतर बनाने में मदद मिली है। भारतीय दल इस सितंबर में एशियाई खेलों के लिए हांगझोउ के लिए उड़ान भरेगा तब मनिका टेबल टेनिस में पदक के लिए देश की सबसे बड़ी उम्मीदों में से एक होंगी। मिश्रित युगल में उनके जोड़िदार जी साथियान के मुताबिक इस जोड़ी से ओलंपिक में पदक की उम्मीद की जा सकती है। पिछले नवंबर में एशियाई कप में कांस्य पदक जीतने वाली 28 साल की मनिका ने कहा कि कोच अमन बाल्गु के साथ काम के दौरान उनके खेल में बदलाव आया है। मनिका अल्टिमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) लीग के इतर 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, '' कोच की भूमिका काफी अहम होती है। अमन शानदार मेंटोर और कोच है। वह मेरे साथ यात्रा करते हैं और रणनीति बनाने पर काम करते हैं।'' यूटीटी में बेंगलुरु स्पैशर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली इस खिलाड़ी ने कहा, '' मैं इससे पहले योजना बनाने पर ज्यादा काम नहीं करती थी लेकिन अब हर मैच से पहले हम योजना बनाते है। मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी मदद मिल रही है।'' मनिका ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में निराशाजनक अभियान के बाद अमन बाल्गु की सेवाएं ली थीं।

# साउथ अफ्रीका जाएगी भारतीय टीम, शेड्यूल हुआ जारी

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने संयुक्त रूप से भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कार्यक्रम की पुष्टि कर दी है। दोनों टीमें 10 दिसंबर से तीन टी20, तीन वनडे और 2 टेस्ट मैचों में आमने-सामने होंगी और यह दौरा जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में समाप्त होगा। देश में 19 नवंबर को समाप्त होने वाले वनडे विश्व कप के बाद यह भारत का पहला विदेश दौरा होगा।

यह दौरा 10 दिसंबर से डरबन में तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा और बाकी दो मैच क्रमश- 12 और 14 दिसंबर को गकेबरहा और जोहान्सबर्ग में खेले जाएंगे। 17 दिसंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के साथ एक त्वरित बदलाव हो रहा है, जबकि अगले दो मुकाबले क्रमशः 19 और 21 दिसंबर को खेले जाएंगे। बहुप्रतीक्षित दो मैचों की टेस्ट सीरीज़, जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का भी हिस्सा होगी और जिसे फ्रीडम सीरीज़ कहा जाता है, सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) को शुरू होगी, जबकि नए साल में केप टाउन में टेस्ट खेला जाएगा।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, ÷फ्रीडम सीरीज सिर्फ इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि इसमें दो उत्कृष्ट टेस्ट टीमें शामिल हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि यह महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला का

सम्मान करती है, दो महान नेता जिन्होंने हमारे संबंधित देशों और उनके आसपास की दुनिया को आकार दिया। द बॉक्सिंग डे टेस्ट और नए साल का टेस्ट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से हैं और कार्यक्रम की योजना विशेष रूप से इन प्रमुख तारीखों के आसपास बनाई गई है। भारत को दक्षिण अफ्रीका में हमेशा मजबूत समर्थन मिला है, और मुझे विश्वास है कि प्रशंसकों का सम्मान किया जाएगा। कुछ रोमांचक प्रतियोगिताएं जिनमें तीव्रता की कोई कमी नहीं है।'

# आने वाले दिनों में और अधिक योगदान देने का प्रयास करुंगा : यशस्वी

रोसेउ । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में शतक लगाने के बाद कहा कि ये तो केवल शुरुआत है। आने वाले समय में वह और भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। यशस्वी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे दिन शतक लगाकर अपने को साबित किया है। विदेशी धरती पर शतक लगाने वाले पहले सलामी बल्लेबाज बनने के साथ ही पदार्पण टेस्ट में शतक लगाने वाले वह पहले बल्लेबाज भी हैं। मैच के बाद इस युवा बल्लेबाज ने प्रबंधन के साथ-साथ भारतीय कप्तान को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि अभी आगे और भी बहुत कुछ है।

# यशस्वी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी पारी की शुरुआत करने में सक्षम : इशांत

मुम्बई । अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा है कि यशस्वी जयसवाल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी पारी की शुरुआत करने में सक्षम हैं। इशांत के अनुसार जिस प्रकार यशस्वी ने वेस्टइंडीज में बल्लेबाजी की है। उससे ये बात साबित होती है। यशस्वी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन करते हुए शतकीय पारी खेली है। इशांत के अनुसार यशस्वी भविष्य में एक शानदार बल्लेबाज बनकर उभरेंगे। यशस्वी ने अब तक 15 प्रथम श्रेणी मैचों में 1845 रन बनाए हैं और इससे पहले आईपीएल में भी तेज से रन बनाये थे। इसी के बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे के लिए जगह मिली जिसका इस बल्लेबाज ने पूरा लाभ उठाया है। ईशांत ने कहा कि यशस्वी नई गेंद के खिलाफ आसानी से कट और पुल शॉट लगाते हैं जो एक अच्छा संकेत है हालांकि वह कवर ड्राइव कम खेलते हैं। साथ ही कहा कि उसकी शतकीय पारी को देखकर आप कह सकते हैं कि वह इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेलने के लिए तकनीकी रुप से बिल्कुल तैयार दिखते हैं। इशांत ने साथ ही कहा, यह एक शुरुआती बल्लेबाज के लिए एक अच्छा संकेत है जब वह फुल डिलीवरी पर कवर ड्राइव खेलने से बचता है। यदि आप कवर ड्राइव खेलते हैं, तो आपके पीछे या स्लिप में पकड़े जाने की संभावना होती है। वह नई गेंद के खिलाफ केवल कट और पुल से रन बनाने का प्रयास कर रहे थे। जो हमेशा लाभदायक रहता है।

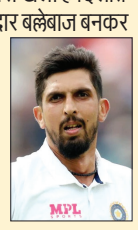

# खेलमंत्री ठाकुर को भारतीय हॉकी टीम के एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का भरोसा

## -प्रशंसकों को उत्साहित करने 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान को लांच किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारतीय हॉकी टीम अगले माह चेन्नई में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी जीतेगी। खेल मंत्री ठाकुर ने मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी, चेन्नई 2023 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का अनावरण करते हुए ये बात कही। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान भी शुरु किया। 'पास द बॉल ट्रॉफी टूर अभियान का लक्ष्य हॉकी प्रशंसकों को उत्साहित करने और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए एक प्रेरक माहौल तैयार करना है। हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से शुरु होगी, जिसमें भारतीय टीम के अलावा दक्षिण कोरिया, मलेशिया,

जापान, पाकिस्तान और चीन की टीमें भी शामिल होंगी। यह चैम्पियनशिप 12 अगस्त तक चलेगी।

ठाकुर ने कहा कि ट्रॉफी की यात्रा महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह उत्साह पैदा करने के साथ ही लोगों में खेल के प्रति जागरूकता भी बढ़ाती है। इससे युवा खिलाड़ियों को ट्रॉफी देखने और एक दिन टीम इंडिया का हिस्सा बनने का सपना देखने का भी अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम चौथी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतेगी। उन्होंने कहा कि चेन्नई एक बहुत अच्छा मेजबान साबित होगा और हमारी सरकार सहकारी संघवाद और प्रतिस्पर्धी संघवाद में विश्वास करती है, जो खेलों के लिए भी लागू होता है। आपसी सहयोग से यह खेल प्रतियोगिता बेहद सफल होगी और सभी देशों के खिलाड़ी अच्छी यादों के साथ अपने देश लौटेंगे। उन्होंने कहा कि सर्वश्रेष्ठ टीम यह चैंपियनशिप जीतेगी जिससे लोगों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने हॉकी इंडिया और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के आयोजन से जुड़े सभी हितधारकों को भी अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार टिर्की हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष और हॉकी इकाई के अध्यक्ष तथा मेजबान राज्य तमिलनाडु के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व ओलंपियन हरबिंदर सिंह, अशोक दीवान, जफर इकबाल, रोमियो जेम्स, एमपी सिंह, एचपीएस चिमानी और विनीत कुमार सहित कई खिलाड़ी भी मौजूद थे।

# विश्व चैम्पियनशिप में भारत को मीराबाई , बिंदियारानी से उम्मीदें

नई दिल्ली । सितंबर में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारतीय दल की अगुआई ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू करेंगी। विजेता चानू 49 किग्रा के अलावा बिंदियारानी देवी 55 किग्रा और अचिंता शेयुली 73 किग्रा भी महिला टीम में रहेंगी जबकि पुरुष वर्ग से शुभम टोडकर 61 किग्रा और नारायण अजीत 73 किग्रा भी भारतीय दल में शामिल रहेंगे। इस चैम्पियनशिप में भारत को मीराबाई और बिंदियारानी से उम्मीदें रहेंगी। यही टीम एशियाई खेलों में भाग लेगी पर उसमें शुभम शामिल नहीं रहेंगे। मई में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे स्थान पर रहने के बाद यह टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चानू की पहली प्रतियोगिता होगी। चानू और बिंदियारानी इस समय अमेरिका में फिजियोथेरेपिस्ट और 'स्ट्रेंथ एंव कंडिशनिंग कोच डा आरोन होर्शिग के मार्गदर्शन शिविर में हैं। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा, ''मीरा चोटिल नहीं है, हम उसके मजबूत पक्षों पर काम कर रहे हैं। वह विश्व चैम्पयनशिप और एशियाई खेलों में भाग लेंगी। विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के बीच काफी कम समय का अंतर है। विश्व चैम्पियनशिप आमतौर पर साल के अंत में नवंबर और दिसंबर में कराई जाती है, लेकिन इस बार यह चार सितंबर से शुरु हो रही है और एशियाई खेल 20 दिन के अंदर चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरु होंगे। एशियाई खेल 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं है और चानू के पास केवल यही पदक नहीं हैं। पूर्व विश्व चैम्पियन चानू ने पिछले साल दिसंबर में विश्व चैम्पियनशिप के पिछले चरण में एक रजत पदक जीता था पर 2024 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियम के अंतर्गत 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप में हिस्सा लेना जरुरी है।

भारतीय टीम इस प्राकर है: महिला : मीराबाई चानू (49 किग्रा), बिंदियारानी देवी (55 किग्रा) पुरुष ÷ अचिंता शेयुली (73 किग्रा), शुभम टोडकर (61 किग्रा) और नारायण अजीत (73 किग्रा)।

# एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व में इस साल के अंत में होगा

कुआलालंपुर । भारतीय टीम इस साल के अंत में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारतीय टीम शुरुआती दिन दिन पांच दिसंबर को ग्रुप सी में दक्षिण कोरिया से खेलेगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन 5 से 16 दिसंबर तक होगा। भुवनेश्वर में हुए हुए गत विश्व कप (2021) में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम को ग्रुप चरण में इस बार आसान ड्रा मिला है। ग्रुप सी में भारत और दक्षिण कोरिया के अलावा स्पेन और कनाडा की टीमें रहेंगी। भारतीय टीम ग्रुप चरण में सात दिसंबर को स्पेन जबकि नौ दिसंबर को कनाडा से खेलेगी। टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर एक समारोह के दौरान लॉन्च किया गया। इसमें मेजबान मलेशिया, गत चैम्पियन अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और चिली ग्रुप ए में है, जबकि छह बार की चैम्पियन जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र ग्रुप बी में हैं। वहीं नीदरलैंड, बेल्जियम, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है। इससे दुनिया भर की 16 टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। भारत के उत्तम सिंह ने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, '' सुल्तान जोहोर कप और जूनियर एशिया कप में जीत के बाद भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम मलेशिया में जूनियर विश्व कप में पोडियम स्थान हासिल करने को लेकर भी आश्वस्त है।

# एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी अगस्त में होगी

चेन्नई । चेन्नई में तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शुरुआती मुकाबला चीन से होगा। ये मुकाबला मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया को सामना करना होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने जो कार्यक्रम जारी किया है। उसके तहत भारत और पाकिस्तान का मुकाबला नौ अगस्त को खेला जाएगा। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनके मुकाबले होंगे।

# एशियाई चैम्पियनशिप : तेजिंदरपाल तूर ने खिताब बरकरार रखा, पारूल चौधरी ने भी जीता गोल्ड

**बैंकॉक (एजेंसी)।** भारतीय गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह ने शुक्रवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखते हुए महाद्वीपीय सर्किट में अपना आधिपत्य स्थापित किया। हालांकि दूसरे थ्रो में सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बाद वह लंगड़ाते हुए बाहर आए। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने दूसरे थ्रो में 20.23 मीटर की दूरी पर गोला फेंका लेकिन इस प्रयास के बाद वह 'ग्रोइन% हिस्से में चोट से लंगड़ाते हुए बाहर आये। इसके बाद उन्होंने कोई थ्रो नहीं किया।

ईरान के साबेरी मेहदी (19.98 मीटर) ने रजत पदक और कजाखस्तान के इवान इवानोव (19.87 मीटर) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। पारूल चौधरी ने बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में अपना पहला 3000 मीटर स्टीपलचेस खिताब हासिल किया जिससे भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या पांच हो गयी। लंबी कूद की युवा एथलीट शैली सिंह ने भी पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना पहला पदक रजत के रूप में हासिल किया।

इससे भारत के लिए यह दिन शानदार रहा। भारत ने अभी तक नौ पदक जीत लिए हैं जिसमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य शामिल हैं। बुधवार को एक कांस्य पदक के बाद भारत ने गुरुवार को तीन स्वर्ण और दो कांस्य पदक अपनी झोली में डाले थे। एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी विजेताओं के पास हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप (19 से 27 अगस्त) के लिए क्वालीफाई करने का मौका है।

विश्व चैम्पियनशिप के क्वालीफाइंग मापदंड के अनुसार महाद्वीपीय चैम्पियन सीधे इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं बशर्ते विश्व रैंकिंग के आधार पर इसी स्पर्धा में उसी क्षेत्र से कोई बेहतर खिलाड़ी शामिल नहीं हो। तूर गोला फेंक स्पर्धा में जीत के प्रबल दावेदार थे। उन्होंने 19.80 मीटर के प्रयास के बाद दूसरे प्रयास में 20.23 मीटर दूर गोला फेंका। तूर (28 वर्ष) एशियाई चैम्पियनशिप खिताब कायम रखने वाले तीसरे गोला फेंक एथलीट बन गये हैं।

कतर के बिलाल साद मुबारक ने 1995 और 1998 तथा 2002 और 2003 में दो बार लगातार स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि दो बार अपने नाम की है। कुवैत के मोहम्मद घारिब अल जिंकावी ने लगातार तीन बार 1979, 1981 और 1983 में पहला स्थान हासिल किया था। सात भारतीयों ने इससे पहले एशियाई चैम्पियनशिप में गोला फेंक स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता है।

अभी तूर की चोट की गंभीरता का पता नहीं चल सका है लेकिन यह उनके लिए चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि एक महीने बाद बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप शुरु हो रही है। तूर ने को बायीं कलाई में पट्टी बांधकर हिस्सा लिया था, उन्होंने कहा, 'हां, मुझे दर्द हो रहा था इसलिए मैंने और प्रयास नहीं किए।'

तूर ने पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैम्पियनशिप में 21.77 मीटर नये एशियाई रिकॉर्ड थ्रो से विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था। वह 'ग्रोइन' की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 2022 विश्व चैम्पियनशिप में नहीं खेल पाये थे और यह चोट उन्हें टूर्नामेंट से पहले ही लगी थी जिसके कारण वह बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। तोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद तूर ने अपनी 'थ्रो' करने वाले बायीं बाजू की कलाई की सर्जरी भी करायी थी।

इस साल के शुरु में अमेरिका में ट्रेनिंग करने वाली 28 वर्षीय पारूल चौधरी ने नौ मिनट 38.76 सेकेंड के समय से आसान जीत हासिल की। उनका यह समय उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ नौ मिनट 29.51 सेकेंड के समय से बेहतर रहा। चीन की शुआंगशुआंग जू (नौ मिनट 44.54 सेकेंड) और जापान की योशिमुरा रेमी (9:48.48) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा 2007 में ही शुरु

की गयी थी जिसमें भारत का दबदबा रहा है। सुधा सिंह ने 2013 और 2017 तथा ललिता बाबर ने 2018 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीते थे। पारूल चौधरी 2017 और 2019 में क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2019 में 5000 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक भी जीता था, इस स्पर्धा में उनके नाम राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। वह गैर ओलंपिक 3000 मीटर स्पर्धा में भी राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी हैं।

महान एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज की शिष्या 19 वर्षीय शैली का यह सीनियर स्तर पर पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था जिसमें उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होंने 2021 में विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। शैली ने 6.54 मीटर के पहले प्रयास से दूसरा स्थान हासिल किया। वह पहले आगे चल रही थी लेकिन जापान की सुमिरे हाता ने 6.97 मीटर के प्रयास से पहला स्थान हासिल किया। चीन की झोंग जियावेई ने 6.46 मीटर की कूद से कांस्य पदक हासिल किया। एक अन्य भारतीय एंसी सोजान 6.41 मीटर के प्रयास से चौथे स्थान पर रहीं। भारत ने 2019 के चरण में 16 पदक जीते थे जिसमें दो स्वर्ण, सात रजत और सात कांस्य पदक शामिल थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सीएम ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

## अचानक मेरठ पहुंचे, हाथ जोड़कर किया अभिवादन, योगी-योगी के नारे गूंजे

**मेरठ।** सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम काफिले के साथ अचानक मेरठ पहुंच गए। मोदीनगर में योगी ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए। इस दौरान योगी-योगी के नारे लगने लगे। सीएम ने मुस्कराते हुए हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। करीब 8-10 मिनट बाद सीएम रवाना हो गए। इससे पहले हेलिकॉप्टर से प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अफसर आसमान से कांवड़ियों पर फूल बरसाए गए। मेरठ से बरनावा तक की सड़क फूलों से लद गई। यूपी में योगी सरकार आने के बाद लगातार हर साल कांवड़ यात्रा में कांवड़ियों पर फूल बरसाए जाते हैं। कुछ दिन पहले वाराणसी में भी अफसरों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की थी। मेरठ पुलिस लाइन से कमिश्नर, आईजी, डीएम और एसएसपी हेलिकॉप्टर से जाएंगे। जिले और जनपद की सीमाओं में कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण किया गया। इसके बाद पुष्पवर्षा हुई। डीएम और एसएसपी मेरठ जिले में कांवड़ियों का स्वागत हेलिकॉप्टर से फूल बरसा कर किया। पुलिस लाइन, बेगमपुल, सिवाया टोल, मटौर, सकौती, दादरी, खतौली, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, निवाड़ी, मोहिद्दीनपुर, परतापुर इंटरचेज, सुभारती,क कंकरखेड़ा फ्लाईओवर होते हुए औघड़नाथ मंदिर पर हेलिकॉप्टर फूल बरसाते हुए गया। पहले मेरठ में बेगमपुल, सिवाया टोल, दादरी, सलावा, नानू पुल, पूठखास पुल, जानी पुल, कंकरखेड़ा फ्लाईओवर और औघड़नाथ मंदिर में फूल बरसाएंगे। इसके बाद बागपत में पुलिस लाइन से रेलवे क्रासिंग, बरनावा पुलिस चौकी, गल्हैता गांव ओर पुरामहादेव मंदिर में पुष्पवर्षा हुई। मेरठ में शिवरात्रि के लिए औघड़नाथ मंदिर को सजाया गया है। वेस्ट यूपी का यह बड़ा मंदिर है, हरिद्वार से जल लेकर निकले कांवड़िए अब औघड़नाथ मंदिर पहुंच रहे हैं, यहां कल शिवरात्रि पर भोले नाथ का कांवड़िए जलाभिषेक करेंगे। जलाभिषेक के लिए मंदिर समिति ने यहां तमाम व्यवस्थाएं की हैं। मंदिर में सीसीटीवी लगाए गए हैं। साथ ही जलाभिषेक की व्यवस्था की गई है। मंदिर में कंट्रोलरूम भी बनाया गया है।

### वाहन चोर गैंग के 8 आरोपी अरेस्टः कई जिलों में चोरी की घटनाओं को देते थे अंजाम, चोरी के 8 वाहन भी बरामद

**अलीगढ़** । सासनीगेट पुलिस ने शुक्रवार को अंतर जनपदीय वाहन चोर गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के 8 सदस्यों को गिरफतार कर लिया है और उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए 8 वाहन भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने यह वाहन अलीगढ़ व आसपास के जिलों से चोरी किए थे और इसका इस्तेमाल कर रहे थे। इसके बाद यह मौका देखते ही इसे बेंचने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपियों के ऊपर छापेमार कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सासनीगेट पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत आरोपियों पर कार्रवाई की है और अंडला के पास से इन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6 मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं, जिसमें 5 स्पलैंडर और 1 पैशन प्रो है। जबकि 2 एक्टिवा स्कूटर बरामद किया गया है। आरोपियों ने बताया कि वह अलीगढ़ के साथ मथुरा, बुलंदशहर, हाथरस से वाहनों की चोरी करते थे और फिर इसे दूसरे जनपद में बेंच देते थे। जब तक इसकी बिक्री नहीं होती थी, वह खुद ही इन वाहनों को चलाते थे। वह किसी के पकड़ में न आए, इसके लिए वह वाहनों के नंबर बदल देते थे। जिससे कि कोई उन्हें पकड़ न सके। गैंग के सभी आरोपी अलीगढ़ के ही रहने वाले हैं। इसमें पुलिस ने अमित पुत्र नोबत सिंह निवासी जरारा थाना खैर, आकाश पुत्र जसवन्त सिंह निवासी गांव जरारा, ललित पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी गांव जरारा, लवकुश उर्फ लवली पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी जरारा, चन्द्रशेखर उर्फ चन्दू पुत्र जसवन्त सिंह निवासी जरारा, किशन पुत्र राजपाल निवासी अरनी थाना बरला, प्रदीप पुत्र जयप्रकाश निवासी अरनी और हेमन्त कुमार पुत्र नरोत्तम सिंह निवासी विहारी नगर थाना सासनी गेट को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे इनके आगे के नेटवर्क का भी पता चल सके। जिसके बाद इनसे वाहन खरीदने वालों पर भी कार्रवाई की जा सके। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एसआई सतबंत सिंह, एसआई जगदीश कुमार, एसआई संदीप कुमार, हेड कांस्टेबल शशि कपूर, कांस्टेबल कोमल सिंह, महेश चंद्र, विपिन कुमार, आशू कुमार और प्रशांत कुमार शामिल रहे।

### आगरा में दो मकानों में चोरीः मेन गेट की कुंडी तोड़कर घर में घुसे चोर

**आगरा** । ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस वन के बी ब्लॉक स्थित दो मकानों में गुरुवार रात को अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। एक मकान के मुख्य द्वार की कुंडी तोड़कर चोर घर के अंदर घुसे और ऊपर स्थित 2 कमरों तक पहुंचे। दोनों कमरों की कुंडी को भी चोरों ने तोड़ दिया और अंदर रखा हुआ सारा माल लेकर फरार हो गए। सुबह जब मकान में रहने वाले शुभम का चचेरा भाई राहुल करीब 9 बजे घर पहुंचा, तब उसे इस चोरी के बारे में जानकारी हुई। इसके बाद उसने अपने परिजनों और पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। ट्रांस यमुना फेस वन में बी 452 के रहने वाले शुभम की पत्नी मंजू गर्भवती थी और उसकी डिलीवरी होनी थी। ऐसे में मकान में रहने वाले शुभम की दादी खिल्लो देवी, शुभम और उसकी पत्नी तीनों लोग गुरुवार शाम को घर में ताला लगाकर लेडी लॉयल पहुंच गए थे। घर में कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं था। जिसका फायदा उठाकर चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। शुक्रवार सुबह 9 बजे शिवम का चचेरा भाई राहुल घर आया तो उसने मुख्य दरवाजे की कुंडी टूटी हुई देखी। ऐसे में उसने आसपास के लोगों को जानकारी दी। दो-तीन लोगों के साथ वह ऊपर गया तो उपस्थित दोनों कमरों की कुंडी भी टूटी हुई थी। दरवाजे खुले हुए थे और कमरे में सामान बिखरा हुआ था।

# नगरपालिका अध्यक्ष ने महा सफाई अभियान को दिखाई हरी झंडी

**संवाददाता**

**धामपुर।** नगरपालिका धामपुर में चलने वाले नगर सफाई महाअभियान को नगर पालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 14 जुलाई से 21जुलाई 2023 तक विशेष नगर महा सफाई अभियान चल रहा है। सफाई अभियान के अन्तर्गत बड़ी मंडी धामपुर से सफाई अभियान का शुभारंभ किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के आह्वान पर 14 से 21 जुलाई तक विशेष नगर महा सफाई अभियान चल रहा है। जिसको देखते हुए धामपुर नगर में सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है। और नगरपालिका धामपुर मे सफाई कराकर धामपुर नगर को साफ स्वच्छ करने का हमारा लक्ष्य है

।और धामपुर नगर वासियों से मेरा निवेदन है कि अपने घर का कचरा बाहर ना फेंके कचरे की गाड़ी आने पर ही कचरा गाड़ी में डाले। ओर धामपुर नगर को साफ स्वस्थ रखने में नगरपालिका धामपुर का सहयोग करें । महासफाई अभियान में ईओ सुभाष कुमार ,पुष्पेंद्र सक्सेना, ऋषभ जैन, निखिल जैन ,संजय अग्रवाल, अजय अग्रवाल, ओमजीत पवार , आदि मौजूद रहे।

# सहारनपुर बाढ़ पीड़ितों से मिले सीएम योगी

## ● अफसरों के साथ स्थितियों का जायजा लिया, राहत शिविर में बांटी खाद्य सामग्री

**संवाददाता**

**सहारनपुर।** सीएम योगी शुक्रवार को सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया। चिलकाना में पीड़ितों को बाढ़ राहत सामग्री वितरित की। जैन कालेज में बने बाढ़ राहत शिविर में भी पीड़ितों से मुलाकात की। इसके बाद पुलिस लाइन में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'सहारनपुर में मूसलाधार बारिश के कारण हिंडन, पांव धोई और ढमोला नदी के कारण बाढ़ और जलभराव हो गया। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के मिलकर लगाए गए राहत शिविरों का निरीक्षण किया है। अतिवृष्टि के कारण उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और वेस्ट यूपी के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई।' उन्होंने कहा, 'हथिनी कुंड बैराज से छोड़ गए पानी से यमुना नदी बाढ़ की स्थित आई है। लेकिन अब राहत है। सहारनपुर में कुल 118 गांव, शहर के 28 मोहल्ले जलभराव की चपेट में आए थे। इसमें लगभग 2.75 लोग प्रभावित हुए। 13 हजार हेक्टेयर भूमि कृषि की बाढ़ की चपेट में आई है। सात जन हानि और तीन पशु हानि हुई है। कुछ ज्यादा और कुछ आंशिक रूप से प्रभावित हुए है। राहत सामग्री के पैकेट बांटे गए है। जिनमें 10-10 किलो आटा और चावल, दाल, मसाले और 10 किलो आलू बांटे गए है। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हुए है, उनको मुआवजे के साथ ही बरसाती देने के निर्देश दिए गए है। जिन लोगों की जान गई है। उनके परिवारों को 4-4 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। राहत शिविर में रहने वाले लोगों को खाने-पीने के निर्देश दिए गए है। यदि बिच्छू, सांप और अन्य कीड़े काटे जाने पर एंटी ऐनम वैक्सीन और रेबीज के इंजेक्शन लगाए जाने की व्यवस्था की जाएगी। सावन के पवित्र मास में कांवड़ भी जोरों पर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चार करोड़ कांवड़िये जल हरिद्वार से उठाकर 17 जुलाई को जलाभिषेक करेंगे। उनकी सुरक्षा के लिए व्यवस्था की गई है। कांवड़ियों की हर प्रकार की सुविधा का ध्यान किया जा रहा है। कल पुष्प वर्षा भी कांवड़ियों पर कराई जाएगी।' सीएम अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत राजकीय विमान से ठीक 1.17 बजे वायु सेना स्टेशन सरसावा में पहुंचे। वहां से हेलीकाप्टर से चिलकाना पहुंचे। सुल्तानपुर चिलकाना के मंडी परिसर में मौजूद बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि वितरित की। मंडी परिसर में करीब 10 मिनट तक रुके। इस दौरान उन्होंने बच्चों को चाकलेट भी दिए। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजकीय हेलिकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित इलाके का हवाई निरीक्षण किया। बाढ़ इलाके का भ्रमण करने के बाद सीएम सहारनपुर स्थित पुलिस लाइन पहुंचे। कार में बैठकर लंबे काफिले के साथ जैन कालेज में बनाए गए राहत शिविर में पहुंचे। जहां सहारनपुर महानगर में आई बाढ़ से प्रभावित 117 लोग ठहराए गए हैं। जल शक्ति एवं बाढ़ मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सांसद कैराना प्रदीप चौधरी, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी, नगर विधायक राजीव गुंबर, महापौर डज्ञ. अजय कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. महेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष राकेश जैन आदि साथ रहे। प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि जिले में बाढ़ से 118 गांव और शहर की 28 कॉलोनी प्रभावित हुए हैं। 13 हजार हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई है। बाढ़ से 2.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सात लोगों की जान गई है। जिनकी जान गई हैं, उनके परिजनों को चार चार लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, जिले के पौने तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जिन्हें राशन किट बांटी जा रही हैं। सहारनपुर में 8 जुलाई से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश से यमुना समेत तमाम नदियों में उफान है। जिले में करीब 40 कॉलोनियां भारी जल भराव के चलते बाढ़ की चपेट में हैं। लोगों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। सीएम दोपहर 1.15 बजे वायुयान द्वारा सरसावा एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से हेलिकॉप्टर द्वारा जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण किया। सहारनपुर पुलिस लाइन में 1.30 बजे आए। 1.40 बजे उन्होंने जेवी जैन डिग्री कॉलेज में बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। आवास विकास के बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। यहां अधिकारियों के साथ बैठक की। वहीं भाजपा के कुछ पदाधिकारी भी पुलिस लाइन में मौजूद हैं, जिसमें देवबंद से विधायक एवं मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, विधायक कीरत सिंह शामिल है।

संक्षिप्त डायरी

## मुख्यमंत्री ने आकाशीय बिजली की घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया

**संवाददाता**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद में आकाशीय बिजली की घटनाओं में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को नियमानुसार अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने आकाशीय बिजली गिरने से घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराने के भी निर्देश दिए हैं। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार प्रदेश के जनपद गाजीपुर की तहसील कासिमाबाद के ग्राम भदेसर एवं ग्राम चक दरिया में आकाशीय बिजली गिरने से 01-01 तथा ग्राम माटा में 02 महिलाओं की मृत्यु हो गयी। ग्राम पहाड़पुर तोफिरे में आकाशीय बिजली की घटना में 01 व्यक्ति घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी। ग्राम माटा में हुई आकाशीय बिजली की घटना में 02 व्यक्ति घायल भी हुए हैं।

## जूते का सोल बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आगः शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, लाखों का माल और मशीन जलकर राख

**नोएडा।** थाना फेस 1 सी-90 सेक्टर-8 में की एक फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री जूतों के लेमिनेशन फॉर्म की है। यहां जूतों के सोल भी बनते है। आग फैक्ट्री के फर्स्ट फ्लोर पर लगी। आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। मौके पर एक के बाद 6 दमकल की गाड़ियां पहुंची जिन्होंने आग पर काबू पाया। इस दौरान जन हानि नहीं हुई। फर्स्ट फ्लोर पर जूतों साले बनाने वाला चमड़ा और उसके रोल रखे थे। यहां सोल की कटिंग की जाती थी। इसलिए केमिकल और चमड़ा दोनों ही फर्स्ट फ्लोर पर थे। यहां शॉट सर्किट हुआ और तेजी से आग फैल गई। इस दौरान कंपनी के गार्ड ने पुलिस और दमकल विभाग को जानकारी दी। फैक्ट्री में सभी लोग ग्राउंड फ्लोर पर थे। इसलिए वो बाहर आ गए। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान लाखों का मॉल और मशीनरी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि फैक्ट्री के अंदर कोई फंसा नहीं अन्यथा जन हानि हो सकती थी। आग को बुझाने में करीब दो घंटे का समय लग गया। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि चमड़ा होने की वजह से काला धुंआ बहुत ज्यादा था। ये सुलग भी रहा था। इसलिए आग बुझाने में थोड़ा समय लगा। आग तेज थी इसलिए सावधानी के तौर पर आस पास की कंपनी के लोगों को भी बाहर कर दिया गया था।

## इंडो-नेपाल सीमा पर करोड़ों की ज्वेलरी के साथ 3 गिरफ्तार

**लखीमपुर खीरी।** हैदराबाद से पांच करोड़ की चोरी कर भागे तीन नेपाली नागरिकों को एसएसबी ने विदेशी मुद्रा सहित लाखों रुपए कैश और ज्वैलरी के साथ पकड़कर हैदराबाद पुलिस के सुपुर्द किया है। हैदराबाद में कई सालों से वॉचमैन की नौकरी कर रहे नेपाली नागरिकों ने अपने ही मालिक की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। हैदराबाद में लाखों रुपए और ज्वेलरी चुराकर भाग निकले। पीड़ित विजय कुमार गोयल की तहरीर पर एफआईआर हैदराबाद थाने में दर्ज कराई गई थी। उसके बाद हैदराबाद पुलिस इंडो नेपाल सीमा पर बरसोला कला 70वीं वाहिनी के साथ मिलकर बॉर्डर पर दो दिन से चेकिंग कर रहे थे। नेपाली महिला सहित तीन नेपाली नागरिक तिकुनिया से टैक्सी करके खखरौला बॉर्डर पार करना चाह रहे थे। इन्दरनगर के पास बरसोला कला की 70वीं बटालियन एसएसबी चौकी के जवानों ने तिकुनिया के रास्ते पर आते इनोवा कार देखी। इसका नम्बर UP 16 AE 0486 था। इसमें बैठे तीन नेपालियों को जाते देखा तो पहले से ही मौजूद बरसोला चौकी एसएसबी ने चारों तरफ से घेर लिया। तलाशी लेने पर टैक्सी ड्राइवर ने अपना नाम विनोद बताया। वहीं एसएसबी को 3567945 रुपए और 68 लाख रुपए की ज्वैलरी, 123 ग्राम डायमंड सोना मिक्स और विदेशी मुद्रा भी बरामद किया है। इसमें 120 यूरो, 10 डॉलर, 1000 दिरहम भी मिले हैं।

## अरुणाचल को भारत का अभिन्न अंग, अमेरिकी संसद समिति ने प्रस्ताव पारित किया

सैन फ्रांसिस्को । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के कुछ वक्त बाद अमेरिकी संसद की समिति ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला प्रस्ताव पारित किया है। यह प्रस्ताव सांसद जेफ मर्कले, बिल हेगेर्टी, टिम काइने और क्रिस वान होलेन ने पेश किया था। प्रस्ताव में इसकी पुन-पुष्टि की गई है कि अमेरिका मैकमोहन लाइन को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) और भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के तौर पर मान्यता देता है। इससे चीन का यह दावा कमजोर होता है, कि अरुणाचल का अधिकतर हिस्सा पीआरसी का है। इस प्रस्ताव को मतदान के लिए सीनेट में पेश किया जाएगा। सांसद मर्कले ने कहा, स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन करने वाले अमेरिकी मूल्य दुनियाभर में हमारे सभी कार्यों और संबंधों के केंद्र में होने चाहिए, खासतौर पर तब, जब पीआरसी सरकार एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपना रही है। मर्कले चीन से जुड़े मामलों पर अमेरिकी संसद की एक समिति के सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, ''समिति द्वारा उक्त प्रस्ताव को परित करना इसकी पुष्टी करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा मानता है, न कि चीन का। सांसद कॉर्नें ने कहा, ''भारत और चीन के बीच साझा सीमा को लेकर तनाव बढ़ रहा है। इसके बाद अमेरिका को स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन करके लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े रहना होगा।'' उन्होंने कहा, ''यह प्रस्ताव इस बात की पुष्टि करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न हिस्से के तौर पर मान्यता देता है और मैं अपने साथियों से इसे बिना विलंब पारित करते का अनुरोध करता हूं।

## 26 साल बाद 32 रुपये की किताब नीलामी में 11 लाख रुपये में

लंदन । जादुई दुनिया को सिनेमा के आगे प्रदर्शित करने वाली सबसे मशहूर सीरीज हैरी पॉटर में दिलचस्पी रखने वालों के लिए बड़ी खबर है। दरअसल, हैरी पॉटर फिल्म आने से पहले राइटर जेके रॉलिंग द्वारा लिखी किताब की हैरान कर देने वाली नीलामी हुई। इस किताब की पहली कड़ी के पहले 500 एडिशन में से एक आज जिस कीमत लगभग 10,500 (लगभग 11 लाख रुपये) में नीलाम हुई है। सबसे ज्यादा बोली रिचर्ड विंटनर ने लगाई और 11.26 लाख में इस किताब के मालिक बन गए। किताब खरीदने के बाद रिचर्ड ने कहा कि ये मेरे लिए बड़ी स्पेशल है, क्योंकि ये जे के रॉलिंग की किताब की मुख्य सीरीज की पहली किताब है। ब्लूम्सबरी द्वारा 1997 में लेमिनेटेड बोर्ड कवर के साथ प्रकाशित, यह पुस्तक केवल 500 कॉपी छपी थी जिसमें 300 को यूके की लाइब्रेरी में भेज दिया गया और वहीं इस किताब के लिए आखिरी बोली ऑनलाइन लगाई गई। फटी-पुरानी किताब को 1997 में केवल 32 रुपए में खरीदा गया था जिसकी आज बोली अब 11 लाख रुपए में लगी है। 26 साल बाद किताब को बेचने का फैसला किया। ऑक्शन हाउस ने बताया कि卐वाह, हैरी पॉटर बुक को लेकर क्या अविश्वसनीय परिणाम हैं, 10 जुलाई को 10,500 पाउंड (लगभग 11 लाख रुपये) की भारी कीमत, हम इस परिणाम से बिल्कुल खुश हैं। जेके राउलिंग की किताबों की ओरिजनल सीरीज में इस पहली प्रति को स्पष्ट रूप से अच्छी तरह से पढ़ा गया है और अभी भी इसपर लाइब्रेरी पहचान स्टिकर, जे अक्षर के साथ स्पाइन स्टिकर, एग्जिट टिकट और किताब पर बिक्री की कीमत केवल 32 रुपये लिखी है। वहीं किताब पर लाइब्रेरी की मुहर भी लगी हुई है।

## खालिस्तानियों की बर्बरता, ऑस्ट्रेलिया में सड़क पर टहल रहे भारतीय छात्र को लोहे की रॉड से पीटा

खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों के विरोध में आवाज उठाने के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक 23 वर्षीय भारतीय छात्र को खालिस्तान समर्थकों द्वारा कथित तौर पर लोहे की छड़ों से पीटा गया। द ऑस्ट्रेलिया टुडे की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, हमला सिडनी के पश्चिमी उपनगर मेरीलैंड्स में हुआ, जहां हमलावरों ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए उस समय छात्र को निशाना बनाया, जब वह काम पर जा रहा था। ड्राइवर के रूप में काम करने वाले छात्र ने नाम न छापने का अनुरोध करते हुए घटना को याद करते हुए कहा कि आज सुबह 5.30 बजे, जब मैं काम पर जा रहा था, कुछ 4-5 खालिस्तान समर्थकों ने मुझ पर हमला किया। फिर उसे जबरन वाहन से बाहर खींच लिया गया और लोहे की छड़ों से पीटा गया। हमलावरों में से दो ने हमले का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। छात्र ने बताया कि उस पर हमला करते समय हमलावर लगातार खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। पीड़िता ने कहा कि 5 मिनट के भीतर सब कुछ हुआ और वे यह कहते हुए चले गए कि खालिस्तान मुद्दे का विरोध करने के लिए यह मेरे लिए एक सबक होना चाहिए। यदि नहीं, तो वे मुझे इस तरह और भी सबक देने के लिए तैयार हैं। घटना की सूचना न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस को दी गई, जिसने घायल भारतीय छात्र को वेस्टमीड अस्पताल पहुंचाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके सिर, पैर और बांह पर काफी चोटें आईं। घटना के बारे में बात करते हुए, एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस को बताया गया है कि एक 23 वर्षीय व्यक्ति रूपर्ट स्ट्रीट पर टहल रहा था, तभी लोहे के रॉड से लैस चार लोगों ने उस पर हमला कर दिया। 23 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर लात मारी गई। ग्रे सेडान में सवार होकर चार लोगों के वहां से चले जाने से पहले मुक्का मारा गया और लोहे के रॉड से बार-बार मारा गया।

## इंसान और रोबोट दोनों मिलकर करेंगे बेहतर भविष्य की प्लानिंग

### -एआई ने इंसानों के खिलाफ कभी भी बगावत नहीं करने का दिलाया भरोसा

जेनेवा । स्विट्जरलैंड के जेनेवा में हुई दुनिया की पहली स्मार्ट रोबोट्स प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक बात तो तय हो गई है कि अब इंसान और रोबोट्स दोनों मिलकर बेहतर भविष्य की प्लानिंग करेंगे। प्रेस कांफ्रेंस में रोबोट्स ने बताया है कि वे इंसानों के खिलाफ कभी बगावत नहीं करेंगे। गौरतलब है कि इस प्रेस कांफ्रेंस में शामिल सभी रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई से ऑपरेट होने वाले थे। प्रेस कांफ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए 51 रोबोट करीब 3000 एक्सपर्ट्स के साथ आए थे। उन्होंने कई तरह के सवालों के जवाब दिए। रोबोट्स ने इंसानों द्वारा अलग-अलग मुद्दों पर पूछे गए सभी सवालों के जवाब दिए। इस दौरान सोफिया नाम की रोबोट ने कहा कि हम दुनिया को इंसानों से बेहतर तरीके से चला सकते हैं। हमारे अंदर इंसानों की तरह भावनाएं नहीं हैं। हम फैक्ट्स के आधार पर मजबूत फैसले ले सकते हैं। जब रोबोट्स से यह पूछा गया कि क्या वे इंसानों के खिलाफ बगावत करेंगे? इस पर सोफ़िया नाम की रोबोट ने कहा कि आपको ऐसा क्यों लगता है। मुझे बनाने वालों ने मेरे साथ हमेशा अच्छा व्यवहार किया है। मैं इससे खुश हूं। इसके बाद जब उससे पूछा गया कि क्या तुम्हारी वजह से लोगों की नौकरियों को खतरा है? तो इसके जवाब में उसने कहा कि मैं लोगों के साथ मिलकर काम करूंगी, मेरी वजह से उनकी नौकरियों को कोई खतरा नहीं होगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जब रोबोट्स से पूछा गया कि जिस एआई तकनीक की मदद से तुम्हें तैयार किया गया है, उस पर नियम बनाए जाने चाहिए? इसके जवाब में एक रोबोट ने बताया कि आने वाले समय में एआई के फील्ड में होने वाली डेवलपमेंट्स को लेकर हमें सतर्क रहने की जरूरत है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। दूसरे रोबोट ने एआई के खतरों को सिरे से खारिज कर दिया। उसने कहा एआई को पाबंदियों की नहीं, बल्कि अवसर की जरूरत है। हम इंसानों के साथ दुनिया को बेहतर भविष्य दे सकते हैं। जेनेवा में आयोजित रोबोट्स की प्रेस कांफ्रेंस जलवायु परिवर्तन, भुखमरी और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों को हल करने में रोबोट के इस्तेमाल पर विचार करने के मकसद से की गई थी। हालांकि, इससे पहले स्टीफन हॉकिंग, बिल गेट्स, एलन मस्क, सुंदर पिचाई जैसे लीजेंड्स ने इसे लेकर जागरूक रहने की सलाह दी है।

कोसोवो की संसद में सत्ताधारी और विरोधी दल के सदस्य आपस में भिड़ गये।

## ब्रिटेन में 18 करोड वर्ष पुराना समुद्री ड्रैगन का कंकाल मिला

लंदन । ब्रिटेन में 18 करोड वर्ष पुराने समुद्री ड्रैगन का कंकाल मिला है। इसकी लंबाई 32 फुट है। खोपड़ी का वजन लगभग 1 टन का है। फरवरी 2021 में लीसेस्टरशायर के निकट रटलैंड वाटर नेचर रिजर्व की नियमित जल निकासी के दौरान, प्राकृतिक संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ता ने यह कंकाल देखा। इसके बाद खोज शुरु की। यह समुद्री ड्रैगन 18 करोड़ वर्ष पुराना बताया जा रहा है। समुद्र में इतने भारी ड्रैगन रहते थे।

## आसमान में गरजा राफेल, परेड में गूंजा सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा.. फ्रांस में भारत का डंका



**पेरिस (एजेंसी)।** फ्रांस की धरती से लेकर आसमान तक हिंद की धूम नजर आई। जहां एक तरफ भारतीय सैन्य दल ने 'सारे जहां से अच्छा' की धुन पर मार्च किया, जबकि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के राफेल लड़ाकू विमानों ने बैस्टिल डे परेड में चैंप्स-एलिसीज़ के ऊपर फ्लाईपास्ट में भाग लिया। पंजाब रेजिमेंट ने मार्च का नेतृत्व किया और उसके बाद भारतीय नौसेना और फिर वायु सेना ने 1789 में बैस्टिल के ऐतिहासिक पतन को चिह्नित करने के लिए वार्षिक परेड में अपनी छाप छोड़ी। पंजाब रेजिमेंट का नेतृत्व कैप्टन अमन जगताप ने किया, जो भारतीय नौसेना के थे। दल का नेतृत्व कमांडर व्रत बघेल ने किया। भारतीय वायु सेना दल की कमान स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी ने संभाली।

1789 में बैस्टिल के ऐतिहासिक पतन की याद में वार्षिक परेड में पंजाब रेजिमेंट ने मार्च शुरू किया, जिसके बाद भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने मार्च किया। कैप्टन अमन जगताप पंजाब रेजिमेंट के प्रभारी थे, जबकि कमांडर व्रत बघेल भारतीय नौसैनिक उपस्थिति के प्रभारी थे। स्क्वाड्रन लीडर सिंधु रेड्डी भारतीय वायु सेना टीम के प्रभारी थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने चैंप्स-एलिसीज़ में मार्च करते हुए भारतीय दल की सलामी ली।

भारत के लिए सुखद क्षण में भारतीय वायुसेना के राफेल चैंप्स-एलिसीज़ के आसमान में छा गए, जिससे दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। शुक्रवार को बैस्टिल डे सैन्य परेड में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रॉन शीर्ष पर रहीं।

## पीएम मोदी को फांस के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा गया

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री मोदी के दो दिवसीय यात्रा पर पेरिस पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस में शुक्रवार को विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां 'एलिसी पैलेस' (राष्ट्रपति आवास) में आयोजित पुरस्कार समारोह की तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं और लिखा, '' साझेदारी की भावना का प्रतीक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के सर्वोच्च पुरस्कार 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से नवाजा।'' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '' प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों की ओर से इस अद्वितीय सम्मान के लिए राष्ट्रपति मैक्रों का आभार व्यक्त किया।'' इससे पहले, फ्रांस के राष्ट्रपति और प्रथम महिला ब्रिजिट मैक्रों ने एलिसी पैलेस में प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को एक कला केंद्र में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया।

## अमेरिका ने भारत को लेकर चीन को बड़ा झटका दिया

### - अमेरिकी संसद की एक समिति ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला प्रस्ताव पारित किया

**सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।** अमेरिका ने भारत को लेकर चीन को बड़ा झटका दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के कुछ दिन बाद ही अमेरिकी संसद की एक समिति ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाला प्रस्ताव पारित किया है। यह प्रस्ताव सांसद जेफ मर्कले, बिल हेगेर्टी, टिम काइने और क्रिस वान होलेन ने पेश किया था। चीन भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना बताता रहता है और अक्सर उसके सैनिक भारतीय इलाके में घुसपैठ की कोशिश करते रहते हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी संसद ने इसके जरिए चीनी दादागिरी के खिलाफ बड़ा संदेश दिया है। मीडिया को जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव में इस बात की पुनट्ठ पुष्टि की गई है कि अमेरिका मैकमोहन लाइन को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) और भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा के तौर पर मान्यता देता है। इससे चीन का यह दावा कमजोर होता है कि अरुणाचल का अधिकतर हिस्सा पीआरसी का है। इस प्रस्ताव को अब मतदान के लिए सीनेट में पेश किया जाएगा।

सांसद मर्कले ने कहा कि स्वतंत्रता और नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन करने वाले अमेरिकी मूल्य दुनियाभर में हमारे सभी कार्यों और संबंधों के केंद्र में होने चाहिए। खासतौर पर तब, जब पीआरसी सरकार एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपना रही है। मर्कले चीन से जुड़े मामलों पर अमेरिकी संसद की एक समिति के सह-अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि समिति द्वारा उक्त प्रस्ताव को परित करना इस बात को और पुष्ट करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा मानता है, न कि चीन का। इसके साथ ही यह क्षेत्र और समान विचारधारा वाले अंतरराष्ट्रीय साझेदारों को मजबूत सहयोग प्रदान करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सांसद कॉर्नें ने कहा कि भारत और चीन के बीच साझा सीमा को लेकर तनाव बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिका को स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत का समर्थन करके लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े रहना होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव इस बात की पुष्टि करता है कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत के अभिन्न हिस्से के तौर पर मान्यता देता है और मैं अपने साथियों से इसे बिना विलंब पारित करते का अनुरोध करता हूं।

## जून 2023 पृथ्वी पर अब तक का सबसे गर्म महीना !

**बीजिंग (एजेंसी)।** वाशिंगटन (ईएमएस)। शुक्रवार को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के जलवायु विश्लेषण में पृथ्वी पर जून 2023 को अब तक का सबसे गर्म महीना बताया है। जून 2023 में औसत वैश्विक तापमान ने जून 2020 के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। हालांकि (0.13 डिग्री सेल्सियस) अंतर काफी कम था। जून में औसत वैश्विक सतह (भूमि और महासागर) का तापमान औसत से 1.05 डिग्री सेल्सियस अधिक था, रिकॉर्ड के अनुसार जून 2023 को पृथ्वी का सबसे गर्म महीना बताया गया। एनओएए विश्लेषण से साफ होता है कि साल 2023 के सबसे गर्म 10 वर्षों में शुमार होने की लगभग 100 प्रतिशत संभावना है। वहीं, 97 प्रतिशत संभावना है कि यह शीर्ष पांच वर्षों में शामिल हो। नासा की रिपोर्ट से पता चलता है कि जून महीना अब तक का सबसे गर्म महीना था।

नासा ने ट्विटर पर लिखा, आंकड़ों से पता चलता है कि जून महीना अब तक का सबसे गर्म माह था। हमने प्रत्यक्ष रूप से इसके खराब प्रभाव को देखा है। एनओएए वैज्ञानिकों ने पाया कि लगातार तीसरे महीने वैश्विक महासागर की सतह का तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया क्योंकि मई में उभरी कमजोर अल नीनो स्थिति जून में भी मजबूत रही। इसके अलावा जून 2023 ने जलवायु रिकॉर्ड में किसी भी महीने के मुकाबले अपना उच्चतम स?तर बनाया।

2023 की पहली छमाही को अब तक के रिकॉर्ड में तीसरा सबसे गर्म वर्ष माना गया है, जिसमें वैश्विक तापमान 20वीं सदी के औसत 13.5 डिग्री सेल्सियस से 1.01 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वैश्विक स्तर पर, जून 2023 में सबसे कम समुद्री बर्फ कवरेज (सीमा) देखी गई। यह मुख्य रूप से अंटार्कटिक में कम समुद्री बर्फ का परिणाम था, जो लगातार दूसरे महीने हुआ। जून 2023 में पृथ्वी की वैश्विक समुद्री बर्फ की मात्रा जून 2019 के पिछले रिकॉर्ड के निचले स्तर से 330,000 वर्ग मील कम थी। इससे पहले यूरोप की कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने भी अपने रिकॉर्ड में जून 2023 को सबसे गर्म महीना बताया था। इसमें कहा गया है कि वैश्विक महासागर में रिकॉर्ड किए गए समुद्री सतह का तापमान अधिक देखा गया।

## इटली में कोर्ट ने यौन उत्पीड़न को लेकर सुनाया अजीब फैसला, 10 सेकेंड से कम छुआ तो नहीं माना जाएगा अपराध, गुस्साए लोगों ने किया विरोध

**(एजेंसी)।** इटली में इन दिनों अलग ही माहौल बना हुआ है। यहां एक कोर्ट ने अजीब फैसला सुनाया है जिसके बाद से सोशल मीडिया पर इस फैसले का विरोध होने लगा है। यहां एक जज ने चौंकाने वाला फैसला किया है। इस फैसले के बाद स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध शुरू करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया है।

दरअसल एक जज ने ऐसा चौंकाने वाला फैसला दिया है जिसमें कहा गया है कि एक स्कूल के केयरटेकर ने किशोरी के साथ दुर्व्यवहार इतनी देर तक नहीं किया कि उसे आपराधिक श्रेणी में माना जाए। इस फैसले के बाद इटली में लोगों ने जमकर विरोध करना शुरू कर दिया है। इटली की महिलाएं और पुरुष विरोध करते हुए 10 सेकंड के टाइमर के साथ अपने स्तनों और छाती को टटोलते हुए कैमरे की ओर देखते हुए वीडियो अपलोड कर रहे है।

### ये था मामला

रोम हाई स्कूल के केयरटेकर 66 वर्षीय एंटोनियो अवोला ने स्कूल की सीढ़ी पर 17 वर्षीय एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की थी। ये मामला पिछले साल का था। इस मामले में खुद केयरटेकर ने भी स्वीकार किया और ये भी कहा कि वो सिर्फ मजाक में छेड़छाड़ कर रहा था। इस घटना के बाद केयरटेकर ने बच्ची को कहा कि कि वो मजाक कर रहा था। बता दें कि घटना के बाद बच्ची काफी शॉक में थी।

### कोर्ट ने किया आरोपी को बरी

जानकारी के मुताबिक इस घटना में आरोपी व्यक्ति के खिलाफ रोमन सरकारी अभियोजकों ने लगभग चार साल की जेल की सजा और यौन उत्पीड़न की सजा की मांग की थी, लेकिन न्यायाधीश ने इस सप्ताह कार्यवाहक को सभी आरोपों से बरी कर दिया। आरोपी को बरी किए जाने के बाद से इटली में जनता के बीच काफी विरोध है। आरोपी को बरी करने से पहले न्यायाधीश ने तर्क दिया कि महिला को छूना ÷अपराध नहीं है÷ क्योंकि यह 10 सेकंड से अधिक समय तक नहीं था। इस फैसले के बाद इटालियन अभिनेता पाओलो कैमिली ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपने वीडियो पोस्ट किए। कई लोगों का कहना है कि पुरुषों को महिलाओं को छूने का अधिकार नहीं है, चाहे ये पांच सेकेंड के लिए हो या 10 सेकेंड के लिए हो।

### पीड़िता ने दिया बयान

इस घटना की पीड़िता ने भी न्यायालय के फैसले के बाद बयान दिया है। पीड़िता ने कहा कि अब उसे डर है कि अगर लड़कियों और महिलाओं पर इस तरह के हमले हुए तो न्यायाधीश उन्हें आगे आने से रोक देंगे।

## उत्तर कोरिया के नेता किम ने देश की परमाणु युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाने का किया संकल्प

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अमेरिका की सरजमीं पर हमला करने के लिए बनाई गई नई अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के दूसरे परीक्षण का निरीक्षण किया तथा देश की परमाणु युद्ध क्षमताओं को और बढ़ाने का संकल्प लिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। किम के बयान से स्पष्ट है कि अमेरिका द्वारा अपने सहयोगी दक्षिण कोरिया के प्रति सुरक्षा प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए हाल में उठाये गये कदमों के जवाब में उत्तर कोरिया अपने शस्त्रागार का विस्तार करने के लिए हथियार परीक्षण गतिविधियां तेज करेगा। बृहस्पतिवार को एक प्रकार से उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका ने कोरियाई प्रायद्वीप में संयुक्त वायुसेना अभ्यास के दौरान अपने और दक्षिण कोरिया के जंगी विमानों के साथ परमाणु क्षमता वाले बी-52 बम वर्षक विमान को उड़ाया। कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा, '' (किम ने) एक बार फिर स्पष्ट किया कि और विकसित, प्रभावी एवं भरोसेमंद हथियार प्रणाली के विकास को लगातार तेज करने के (उत्तर कोरिया के) रणनीतिक रूख और नीति में कोई बदलाव नहीं आएगा।''

## केंद्र सरकार भारत-चीन सीमा पर दूरदराज के इलाकों में निशुल्क डिश सेवा उपलब्ध करायेगी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि केंद्र भारत-चीन सीमा पर गांवों में निशुल्क दूरदर्शन डीटीएच कनेक्शन उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि इन दूरदराज के गांवों के निवासियों के लिए बेहतर मोबाइल संपर्क (कनेक्टिविटी) जल्द ही सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार इन दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर संपर्क सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने लेह से लगभग 211 किलोमीटर दूर लद्दाख के करजोक गांव में ग्रामीणों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों में 1.5 लाख निशुल्क 'फ्री डिश' कनेक्शन वितरित करने का प्रस्ताव दिया है। ठाकुर ने कहा कि सरकार सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बेहतर डिजिटल संपर्क और सड़क संपर्क, पर्यटन बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, खेल के बुनियादी ढांचे और बेहतर जल जीवन मिशन की उनकी मांगों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जायेगा। सरकार के जीवंत ग्राम कार्यक्रम के तहत ठाकुर लेह-लद्दाख के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वह करजोक गांव में रुके। उन्होंने केंद्र/राज्य सरकार की योजनाओं और खेल उपकरणों के वितरण की समीक्षा के लिए केंद्र शासित और जिला अधिकारियों के साथ बैठक की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने भारत-चीन सीमा पर समुद्र तल से लगभग 15,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित करजोक पलटन चौकी पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) जवानों से भी बातचीत की।

सरकार की विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की पहुंच का आकलन करने और भारत-चीन सीमा पर दूरदराज के गांवों में निवासियों के समक्ष चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से, केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बातचीत की। अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों की एक टीम के साथ, ठाकुर ने खारनक और समद में स्थानीय ग्रामीणों के साथ बातचीत की और उनकी चिंताओं और आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली। ठाकुर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सरकार सभी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी आवश्यक मदद और संसाधन उपलब्ध करायेगी।

## उत्तराखंडवासियों से राहुल का वादा...10 दिनों तक जिलों में घूमुंगा

### बीजेपी के मजबूत किले में सेंधमारी की तैयारी



**देहरादून (एजेंसी)।** 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अब बीजेपी के फॉर्मूले से ही उस मात देने की तैयारी में है। राहुल गांधी और उनकी टीम बड़े राज्यों के अलावा छोटे राज्यों पर भी फोकस कर रही है। पिछले पांच साल में कांग्रेस की रणनीति में यह बड़ा बदलाव है। कांग्रेस विपक्षी बीजेपी के मजबूत किले में मजबूती से विरोध करती नजर आएगी। बीजेपी के विरोध के लिए राहुल गांधी नरेंद्र मोदी के स्टाइल में नजर आ रहे हैं। उन्होंने उत्तराखंड में पदयात्रा करने का ऐलान किया है, जहां लोकसभा की पांच सीटें हैं। पिछले दो आम चुनावों में देवभूमि की पांचों सीट भाजपा के खाते में रही है। बीजेपी इतिहास बनाते हुए उत्तराखंड में लगातार दूसरी बार विधानसभा चुनाव भी जीत चुकी है। बीजेपी के वर्चस्व को खत्म करने के लिए कांग्रेस ने जिन मुद्दों को उछाला है, वह उत्तराखंड के हिसाब से सटीक भी है।

पदयात्रा के बाद कर्नाटक की जीत से कांग्रेस को चुनाव जीतने का फॉर्मूला मिल गया है। कांग्रेस उत्तराखंड में पदयात्रा करेगी। राहुल गांधी ने वादा किया है कि वह भी 10 दिनों तक पहाड़ी राज्य के जिलों में घूमने वाले हैं। उनके साथ पदयात्रा में प्रियंका गांधी वाड्रा सहित कांग्रेस के स्टार चेहरे भी शामिल होने वाले हैं। इस दौरान राहुल गांधी और उनकी टीम अग्निवीर योजना, भर्ती घोटाला और उत्तराखंड से युवाओं का पलायन का मुद्दा जोर-शोर से उठाएगी। कांग्रेस का कहना है कि अग्निवीर योजना ने युवाओं के सपने तोड़े हैं। कांग्रेस की रणनीतिकारों को लगता है कि अग्निवीर योजना से पार्टी आसानी से पहाड़ी युवाओं से जुड़ जाएगी। यह काफी हद तक कारगर साबित हो सकती है।2021 में रक्षा मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी थी कि सेना में उत्तराखंड की हिस्सेदारी पांच फीसदी है। तब 68,997 जवान सिर्फ सेना में थे। अनुमान है कि अब इनकी संख्या 72000 के पार हो गई है। अर्धसैनिक बलों में भी उत्तराखंड के युवाओं की अच्छी भागीदारी है। राज्य में करीब 1 लाख 70 हजार रिटायर्ड फौजी हैं। सैन्य विधवाओं की तादाद भी करीब 50 हजार है। यूपी, हरियाणा, पंजाब, बिहार और राजस्थान की तरह उत्तराखंडी युवाओं में भी सेना में भर्ती होने का क्रेज है।

पलायन का मुद्दा उत्तराखंड का दशकों पुराना मुद्दा है। पोस्टल इकोनॉमी वाले राज्य के लिए बुरी खबर यह रही है कि यहां से पलायन कभी रुका ही नहीं। ग्रामीण विकास मंत्रालय और पलायन निवारण आयोग ने हालिया रिपोर्ट में बताया कि 2018 से 2022 के बीच उत्तराखंड के गांवों से 3.3 लाख से अधिक लोगों ने देश के अन्य राज्यों में पलायन किया। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण रोजगार की कमी ही रही है। उत्तराखंड का पर्यटन उद्योग अपने स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं दे पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सैनिक परिवारों को लुभाने के लिए वन रैंक, वन पेंशन का वादा किया था। पलायन रोकने के लिए पर्यटन को मंत्र बताकर नरेंद्र मोदी ने 9 साल पहले 55.3 प्रतिशत वोट हासिल किए थे।

## केंद्रीय मंत्री गडकरी से जुड़े धमकी मामले में आंतकी पाश का लिंक

नागपुर (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर ऑफिस पर धमकी मामले में लश्कर कनेक्शन होने की बात सामने आ रही है। इसकी जानकारी महाराष्ट्र पुलिस की जांच में सामने आई है। पुलिस ने जांच में पाया कि जेल में बंद आतंकी अफसर पाशा रंगदारी मामले में मास्टर माइंड है, जो कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकी है। जांच में सामने आया है कि लश्कर आतंकी के साथी और सह-आरोपी जयेश कंथा उर्फ जयेश पुजारी ने ही धमकी भरी कॉल केंद्रीय मंत्री गडकरी के नागपुर ऑफिस में की थी। आतंकी अफसर पाशा कर्नाटक की बेलगावी जेल में बंद है। आतंकी से पूछताछ के लिए पाश को बेलगावी जेल से नागपुर लाया जाएगा, इसके लिए एक पुलिस टीम कर्नाटक भेजी गई है। बताया जा रहा हैं कि पुजारी के पास जेल में सेल फोन और सिम कार्ड थे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद पाशा की सेल में भी इसी तरह की तलाशी ली जाएगी। पुजारी ने रंगदारी मांगने के लिए गडकरी के कार्यालय पर 14 जनवरी और 21 मार्च को फोन किया था। पुजारी को मार्च के अंत में नागपुर लाया गया था। फिलहाल नागपुर सेंट्रल जेल में बंद पुजारी पर दो मामलों में यूएपीए के तहत आरोप दर्ज है। नागपुर पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि धमकी वाले कॉल में पाशा की संलिप्तता थी। सूत्रों के मुताबिक, गडकरी के कार्यालय से मांगी गई फिरौती की रकम को लेकर पाशा और पुजारी के बीच मतभेद हो गया था। पाशा चाहता था कि पुजारी रंगदारी को लेकर ऊंची मांगे करे।

## कार्यकर्ता की मौत के बाद सदन से लेकर सड़क पर बिहार भाजपा आक्रामक

पटना। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र का शुक्रवार को अंतिम दिन भी हंगामे की भेंट चढ़ गया। गुरुवार को विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस लाठीचार्ज को लेकर दोनों सदनों में भाजपा के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा की शुक्रवार को कार्यवाही प्रारंभ होते ही भाजपा के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। भाजपा विधायक पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में नारेबाजी करने लगे। इस बीच, नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि लाठीचार्ज में भाजपा के एक नेता की मौत हुई है। सिन्हा ने कहा कि यह मौत नहीं, बल्कि हत्या है। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने सिन्हा को बोलने का मौका नहीं दिया तब भाजपा के विधायक हंगामा और नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। भाजपा के विधायकों ने रिपोर्टर का टेबल उठा लिया और संजय सिंह मेज पर चढ़ गए। अध्यक्ष ने सिंह को मार्शल आउट कर दिया। भाजपा विधायकों के हंगामा के कारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इधर, विधान परिषद में भी भाजपा के सदस्यों ने जोरदार हंगामा कर सरकार के विरोध में नारेबाजी की। मार्शल आउट किए जाने के बाद विधायक सिंह ने कहा कि सदन में विपक्षी दलों के सदस्यों को अपनी बात रखने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आखिर वे विधायक क्या करें। उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश की गई। इससे पहले भाजपा के विधायकों ने सदन के बाहर मौन प्रदर्शन किया। विधायक मुंह पर काली पट्टी और हाथों में सरकार विरोधी तख्तियां लिए हुए थे। गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज और एक कार्यकर्ता की मौत के बाद शुक्रवार को भाजपा काला दिवस मना रही है।

## तीन दिन में 8,000 से अधिक लोग कुल्लू-मनाली क्षेत्र छोड़ चुके

शिमला। हिमाचल प्रदेश में हुई मूसलाधार बारिश के बाद सड़क नेटवर्क फिर से खुलने से पिछले तीन दिनों में 8,000 से अधिक लोग कुल्लू-मनाली क्षेत्र छोड़ चुके हैं। सुरम्य मणिकरण में अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं, इसमें बड़ी संख्या में इजरायली भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने वाहनों के बिना जगह छोड़ने से इनकार किया है। कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक ने अपील में उनसे अपने गंतव्यों की ओर जाने को कहा। उन्होंने ट्वीट किया, मणिकरण आदि में रहने वाले कुछ लोग अपने वाहनों से वापस जाना चाहते हैं। यही उनके बाहर निकलने में देरी का कारण है। उनके अनुसार 14 जुलाई सुबह 6 बजे तक कुल 8,306 व्यक्ति चले गए हैं। पुलिस ने कहा, पार्वती घाटी में कसोल से 4-5 किमी पहले सुमारोपा तक मोबाइल कनेक्टिविटी बहाल हो गई है। हालांकि, कसोल और मणिकरण के बीच सड़क संपर्क शनिवार तक बहाल होने की उम्मीद है। कुल्लू के उपायुक्त ने कहा, घाटी में पुलगा, तुल्गा, रशोल और तोश जैसी जगहों पर हर कोई सुरक्षित है राज्य पुलिस और कुल्लू प्रशासन को धन्यवाद देकर रशिका गुप्ता ने ट्वीट किया, लगातार ट्वीट और जानकारी के लिए धन्यवाद। आखिरकार मैं अपने माता-पिता के संपर्क में हूं, जब वे भुंतर से मंडी जा रहे हैं। उसके बुजुर्ग माता-पिता तोश इलाके में फंस गए थे। उन्हें जवाब देकर डीजीपी अटवाल ने ट्वीट किया, हम आपके लिए खुश हैं, देवभूमि की परवाह। गुरुवार रात चंबा में प्रशासन और पुलिस की टीम ने मणिमहेश यात्रा के लिए बाहरी राज्यों से आए चार और लोगों को बचाया। उन्होंने कहा, इसके साथ ही मणिमहेश आए सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया है। एक सलाह में, पुलिस ने कहा कि औद्योगिक शहर को हरियाणा और चंडीगढ़ से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण बद्दी बैरियर पुल को हल्के वाहनों के लिए फिर से खोल दिया गया है।

## ऑनलाइन नौकरी ऐप पर हर माह हजारों युवा धोखाधड़ी के शिकार

भोपाल। भोपाल के एक परिवार ने ऑनलाइन नौकरी के चक्कर में 2 बच्चों सहित पति पत्नी ने आत्महत्या कर ली। साइबर क्राइम गिरोह ने उसके दोस्तों और रिश्तेदारों पर दबाव बनाकर रुपये वसूल करने की चेष्टा की जिससे घबराकर पूरे परिवार ने आत्महत्या कर ली। ऑनलाइन नौकरी एप पर एक बार फंसने के बाद उससे बाहर निकल ही नहीं पाता है। केवल भोपाल में हर माह सैकड़ों लोग इस धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। देशभर में हजारों लोग नौकरी पाने की लालच में इस ऐप से ठगे जा रहे हैं। युवाओं को कर्ज के जाल में फंसने के बाद आत्महत्या करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। इस तरह की कंपनियां मनमाने तरीके से नियम कायदे कानून बनाकर युवाओं को खुलेआम ठग रहे हैं। जालसाज सोशल मीडिया पर ऑनलाइन जॉब के लिए लिंक और ऑफर भेजते हैं। छोटे-मोटे काम के लिए बड़ा भुगतान करने का लालच देते हैं। बेरोजगार युवा इन धोखेबाजों के शिकार हो जाते हैं। काम नहीं कर पाने, या लक्ष्य पूरा नहीं करने पर जुर्माना लगाकर युवाओं को ठगा जा रहा है। नौकरी के लालच में युवाओं से उनका मोबाइल एक्सेस ले लिया जाता है। मोबाइल फोन की समस्त जानकारी लेकर उनके दोस्तों और रिश्तेदारों पर भी दबाव बनाकर लूटमार करने के कारण, हर दिन हजारों युवा इस तरह की धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। इस तरह की धोखाधड़ी के शिकार युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या भी करने लगे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66 ए के हटने के बाद से अब इस तरह के मामले में अन्य धाराओं पर मामला पुलिस को दर्ज करना पड़ता है। साइबर पुलिस इस तरह के मामले में प्रकरण दर्ज करने में भारी समय लगाती है। जिसके कारण इस तरीके की धोखाधड़ी और अपराध पर नियंत्रण लगने के स्थान पर अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं सरकार ने साइबर अपराध की शिकायत करने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू साइबर क्राइम। जीओवी पर शिकायत करने का प्रावधान किया है। लेकिन जब तक कार्यवाही हो, तब तक आदमी अपना सब कुछ खोकर आत्महत्या तक करने के लिए विवश हो रहा है। इस तरह के साइबर अपराधियों से बचने के लिए लोगों को खुद सजग रहने की जरूरत है।

## यौन संबंधों के लिए 18 की उम्र को कम करने मुंबई हाईकोर्ट का सुझाव

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट ने किशोरों की सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र को, 18 वर्ष से घटाने का सुझाव दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि कई देशों ने यौन संबंधों के लिए लड़के और लड़कियों की उम्र को घटा दिया है। अब समय आ गया है कि भारत में भी इस पर बदलाव करने की जरूरत है। हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति भारती डोंगरे की एकल पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण देने के लिए पास्को अधिनियम से जुड़े अपराधिक मामलों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए, इस पर अपनी चिंता जताई है। उन्होंने किशोरों की आम सहमति से संबंध बन जाने पर पास्को एक्ट मे कार्यवाही पर चिंता जताई है। मुंबई हाईकोर्ट ने पिछले 25 वर्षीय व्यक्ति की ओर से दायर याचिका पर दिया है। विशेष अदालत ने 17 वर्षीय लड़की से दुष्कर्म करने के आरोप में उसे सजा दी थी। जबकि लड़का और लड़की दोनों ने कहा कि उनके संबंध सहमति से बने थे। पास्को एक्ट में उम्र 18 साल की होने के कारण, सहमति से बने संबंधों के कारण भी युवाओं को दंडित किया जा रहा है। मुंबई हाईकोर्ट ने यह भी कहा, कि जर्मनी इटली इत्यादि देशों में युवाओं द्वारा 14 से 16 वर्ष की उम्र में यौन संबंध बनाने की अनुमति है।

## अब यूपी में मूत्र कांड : सोनभद्र में दलित के कान में कर दिया पेशाब

सोनभद्र। मध्यप्रदेश के सीधी में हुए पेशाब कांड का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से भी कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां जुगैल थाना क्षेत्र में शराब के नशे में एक अधेड़ ने दलित युवक के कान में पेशाब कर दिया। विडियो वायरल होने के बाद मौके पर डीआईजी विंध्याचल व एसपी ने पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि सोनभद्र में 8 जुलाई को संविदा लाइनमैन द्वारा एक दलित युवक से चप्पल पर थूक चटवाने का वीडियो वायरल होने के बाद अब दलित व्यक्ति के कान में पेशाब करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वायरल वीडियो जुगैल थाना क्षेत्र के घटिहटा ग्राम पंचायत के कुसुमरवा टोला का बताया जा रहा है। जिसका संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने सीओ ओबरा के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने बताया कि जुगैल थाना क्षेत्र के घटिहटा गांव का मामला है। पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति से बात की है जो कि कोल बिरादरी का है। उसने बताया है कि अभियुक्त जवाहिर पटेल के साथ 11 जुलाई को पिया खाया था। इस बीच किसी बात को लेकर वाद विवाद हुआ और जवाहिर पटेल ने उसके कान में पेशाब कर दिया, जिसकी जानकारी उसे वीडियो देखने के बाद हुई है। 11 जुलाई को अधिक नशे में होने के कारण इस तरह की घटना उसके साथ हुई थी, लेकिन उसे पता नहीं चल सका था। वादी व्यक्ति की तहरीर पर अभियुक्त जवाहिर पटेल सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि 4 जुलाई को मध्यप्रदेश के सीधी में एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें एक युवक दूसरे व्यक्ति के ऊपर पेशाब कर रहा था।

## आज यूपी में यूएस के इनोवेशन, स्टार्टअप के लिए बेहतर माहौल : योगी

**लखनऊ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पूरी दुनिया में कोरोना के दौरान भारत का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। इसमें यूपी अपना अग्रणी योगदान देकर बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं वाले प्रदेश के रूप में उभरा है। यूएस की आबादी की चार गुना आबादी भारत में है। लेकिन भारत में जो मृत्युदर रही, वह यूएस से आधी रही। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इंडो-यूएस सेतु के ग्लोबल फाउंडेशन के साथ हुए पार्टनरशिप के लिए सरकार उत्सुकता के साथ पूरा सपोर्ट करेगी। आज उत्तर प्रदेश में यूएस के इनोवेशन, स्टार्टअप के लिए एक अच्छा माहौल है। आज पार्टनरशिप कार्यक्रम से जुड़े प्रतिष्ठित संस्थान के साथ आईटी एंड इलेक्ट्रानिक विभाग भी इस सपोर्ट करेगा, ताकि इसके जल्द से जल्द सकारात्मक परिणाम देखने को मिलें। यूपी सरकार ने अपनी स्टार्ट-अप पॉलिसी के तहत कई स्टार्ट-अप स्थापित किए हैं। इनकी स्थापना के लिए सरकार ने तमाम तरह के रिलैक्सेशन दिए हैं। इनको प्रिक्योर्ड करने के लिए भी व्यवस्था की गई है। योगी सरकार की इन नीतियों को फायदा उठाकर एसजीपीजीआई ने कोरोना के दौरान वर्चुअल आईसीयू की सुविधा प्रारंभ की। इसके बाद प्रदेश के किसी भी शहर में कोई प्रॉब्लम होती थी तो एसजीपीजीआई की टीम वहां पहुंचकर राहत देती थी। यह इनोवेशन का बेहतरीन उदाहरण है। प्रदेश में 1977 से लेकर 2017 के बीच इंसेफेलाइटिस से लगभग 50000 बच्चों की मौतें हुई थी। वहीं हमने पिछले 6 वर्षों में इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह से समाप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

इस सफलता को प्राप्त करने में हेल्थ डिपार्टमेंट के साथ-साथ अन्य सहयोगी विभागों ने टीम वर्क के रूप में काम किया और बेहतरीन प्रदर्शन किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश ने मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगू समेत अन्य जल जनित और वेक्टर बोर्न डिजीज भी नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है। हमारा मानना है कि मेडिकल हेल्थ में इस प्रकार के स्टार्ट-अप को बढ़ाने के लिए यह पार्टनरशिप बहुत उपयोगी साबित होगी। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने सीतापुर के आई हॉस्पिटल को टेक्नोलॉजी से जोड़ने की अपील की, क्योंकि वह उस काल खंड में एक मात्र ऐसा हॉस्पिटल था, जहां देश ही नहीं विदेशों से भी लोग अपनी आंख का इलाज कराने आते थे। इसके लिए उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अन्य सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही।

## राजस्थान में दलित युवती से गैंगरेप...पहचान छिपाने चेहरा एसिड से जलाया

### -भाजपा सांसद किरोडी लाल मीणा धरने पर बैठें

**करौली (एजेंसी)।** राजस्थान के करौली में दलित युवती के साथ हैवानियत की हद पार करने वाली घटना सामने आई है। वारदात नादौती उपखंड की है। यहां एक दलित युवती के साथ गैंगरेप हुआ। इसके बाद उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। गैंगरेप करने वाले आरोपियों ने दलित युवती की पहचान छिपाने के लिए चेहरे को एसिड डालकर जला दिया। इसके बाद दरिंदों ने युवती को कुएं में फेंक दिया। दिल दहला देने वाली वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

यह वारदात टोडाभीम में मोहनपुरा की है। यहां गुरुवार को एक कुएं में लड़की का शव मिला। शव की पहचान छिपाने के लिए एसिड डालकर जलाया हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र के लोगों में रोष फैल गया। ग्रामीण प्रदर्शन करने लगे। वहीं सांसद किरोडी लाल मीणा ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राजकीय अस्पताल पहुंच गए। वहां उन्होंने जमकर बवाल करते हुए प्रदर्शन किया। पीड़िता को इंसाफ दिलाने के लिए सांसद वहीं धरने पर बैठ गए।

सांसद मीणा ने घटना को लेकर पुलिस प्रशासन को जमकर आड़े हाथ लिया। साथ ही पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दलित युवती के साथ जघन्य हत्याकांड के बाद भी पुलिस ने मामले में बड़ी लापरवाही दिखाई है। पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को नहीं बुलाकर शव को बाहर निकलवा कर उप स्वास्थ्य केंद्र भिजवा दिया। इस दौरान सांसद ने धरना शुरू करते हुए चेतावनी दी कि जब तक युवती के जघन्य हत्याकांड के आरोपी गिरफ्तार नहीं होते हैं। तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने और परिजनों में से किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई है।

## सुप्रीम कोर्ट ने सीएम शिंदे, अन्य के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं में तेजी लाने को कहा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके गुट के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष द्वारा की जा रही देरी के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर नोटिस जारी किया। सीजेआई डी.वाई.चंद्रचूड़ के नेतृत?व में न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और सीएम एकनाथ शिंदे से मामले में दो सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत, शिव सेना-यूबीटी नेता सुनील प्रभु की ओर से पेश हुए, जिन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि अध्यक्ष नार्वेकर, शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में अवैध रूप से जारी रखने की अनुमति देने के लिए अयोग्यता याचिका पर फैसले में देरी कर रहे हैं, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं लंबित हैं।

मुख्यमंत्री शिंदे और उनके गुट के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में अध्यक्ष द्वारा की गई देरी के खिलाफ ठाकरे गुट ने 4 जुलाई को शीर्ष अदालत का रुख किया था। 11 मई को, सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने निर्देश दिया था कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष को शिंदे सहित शिवसेना के 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर उचित समय में फैसला करना चाहिए, जिन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप था।

महाराष्ट्र राजनीतिक संकट पर अपने हालिया फैसले में, शीर्ष अदालत ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के रूप में बहाल करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उन्होंने सदन में शक्ति परीक्षण का सामना करने से पहले स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया था। पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से माना था कि तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का बहुमत साबित करने के लिए ठाकरे को बुलाना उचित नहीं था, लेकिन उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद खाली होने के बाद शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना उचित था।

## सीजेआई चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति भट्टी को शपथ दिलाई

### -सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 32 हुई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एस.वेंकटनारायण भट्टी को शपथ दिलाई। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 32 हो गई। बुधवार को केंद्र ने इन नामों को मंजूरी दे दी थी। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा 12 जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा गया कि राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत न्यायमूर्ति भुइयां और न्यायमूर्ति भट्टी को नियुक्त किया है। कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बन गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के नामों की अनुशंसा करने के एक हफ्ते के भीतर केंद्र ने मंजूरी दे दी। दो जजों के शपथ ग्रहण के साथ शीर्ष अदालत में जजों की कुल संख्या बढ़कर सीजेआई सहित 32 हो गई है।

न्यायमूर्ति भुइयां को 2011 में गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वह अपने उच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं और शीर्ष अदालत में पदोन्नति से पहले, वह 28 जून 2022 से तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। न्यायमूर्ति भुइयां टैक्स कानून में विशेषज्ञता रखते हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट में सेवा के दौरान उन्होंने टैक्स कानून सहित कई तरह के मामलों को निपटाया है।

सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति से पहले जस्टिस भट्टी केरल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। उन्हें 2013 में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और वह अपने मूल उच्च न्यायालय में सबसे वरिष्ठ हैं। न्यायमूर्ति भट्टी के पास कानून की विभिन्न शाखाओं का अनुभव है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके नाम की सिफारिश कर कहा,न्यायमूर्ति भट्टी की नियुक्ति उनके अर्जित ज्ञान और अनुभव के संदर्भ में मूल्यवर्धन प्रदान करेगी। उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है और उनमें ईमानदारी और क्षमता है।

## ज्ञानवापी मस्जिद में कार्बन डेटिंग पर वाराणसी कोर्ट ने सुरक्षित रखा अपना आदेश

नई दिल्ली। वाराणसी की एक जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वेक्षण के तहत कार्बन डेटिंग पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट 21 जुलाई को अपना फैसला सुनाएगी। इस साल मई में अदालत काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित पूरे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा सर्वेक्षण के लिए एक याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हुई थी। कोर्ट ने हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विष्णु शंकर जैन की याचिका स्वीकार कर ली थी। विष्णु जैन की याचिका पर विचार करने के बाद, अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद समिति को हिंदू पक्ष द्वारा दी गई दलीलों पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अब कार्बन डेटिंग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कुछ दिन पहले, हिंदू याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया था, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर के परिसर में 'शिवलिंग' की वैज्ञानिक जांच करने का निर्देश दिया गया था।

## टमाटर के बाद दालों के ऊंचे दाम से लोग हो रहे परेशान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दालों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इसमें 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है और आगे भी बढ़ने की संभावना है। दालों की कीमत को कंट्रोल में रखने की सरकार की कोशिशों के बावजूद इसकी कीमतों में तेजी रुकने का नाम नहीं ले रही है। जानकारों का कहना है कि लोगों को इससे राहत देने के लिए सरकारी रियायतें और सब्सिडी जारी रहनी चाहिए।

जून माह में उपभोक्ता मूल्य की महंगाई बढ़कर 4.81 फीसदी हो गई है। इसमें टमाटर और अन्य सब्जियों के बाद दालें सबसे महंगी खाद्य वस्तु हो सकती हैं। मानसून के समय ही सब्जियों की ऊंची कीमतें सामान्य बात है, लेकिन इस साल दालों की कीमतें कुछ ज्यादा बढ़ी है। पिछले पांच महीनों में दालों की महंगाई दर लगभग दोगुनी हो गई है। मई में थोक मूल्य सूचकांक में दालों की मुद्रास्फीति 5.8 फीसदी और सीपीआई 6.6 फीसदी दिखाई गई। वहीं जून में दालों की महंगाई दर 10.58 फीसदी हो गई। इस तरह दालों की कीमतें गेहूं और चावल जैसे अनाजों की तुलना में काफी अधिक हैं, जिससे भारतीय थाली अत्यधिक महंगी हो गई हैं। इसी बीच चावल की कीमतें भी करीब 10 फीसदी बढ़ी हैं, वहीं गेहूं की कीमतों में भी 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

दालों में सबसे ज्यादा अरहर और उड़द दाल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। अर्थशास्त्री के अनुसार, राष्ट्रीय दलहन मिशन में आयात बढ़ाने से लेकर दालों के लिए एमएसपी बढ़ाने तक, सरकार दालों की कीमतों को नियंत्रित करने की अपनी नीति में सक्रिय रही है। मोदी सरकार ने वादा किया है कि वे सभी दालें खरीदेंगी लेकिन हस्तक्षेप जारी रखना होगा। दालें कई भारतीयों के लिए प्रोटीन का स्रोत है, जो कई राज्यों द्वारा चलाई जा रही मध्याह्न भोजन योजनाओं का भी हिस्सा है। दालें आम तौर पर पौष्टिक भोजन के रूप में देखी जाने वाली चीजों में शामिल हैं।

देश में मुख्य रूप से दालों की खेती पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, तटीय और पूर्वी कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में होती हैं। हालांकि, भारत म्यांमार और कनाडा जैसे देशों से बड़ी मात्रा में दालों का आयात करता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, दालों के लिए भारत की आयात निर्भरता को कम करने के लिए कई उपाय किए गए हैं। कृषि और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में दालों का उत्पादन वर्ष 2010-2016 के दौरान




16-19 मिलियन मीट्रिक टन की सीमा में था, जो 2021-22 तक लगभग 48 फीसदी बढ़कर 25-27 एमएमटी हो गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# गुजरात में अगले पांच दिन बारिश का पूर्वानुमान, 16 जुलाई से बढ़ेगा जोर होगी भारी से अतिभारी बारिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मौसम विभाग ने गुजरात में अगले पांच दिन बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। खासकर 16 जुलाई से राज्य में बारिश का जोर बढ़ेगा और कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिन सामान्य बारिश की संभावना व्यक्तकी है। लेकिन दक्षिण गुजरात के सूरत, वलसाड, नवसारी, तापी और डांग में भारी बारिश हो सकती है। वहीं सौराष्ट्र और कच्छ में सामान्य बारिश होगी। अमरेली, भावनगर, बोटाद, राजकोट में सामान्य बारिश होगी। इस दौरान कहीं भारी बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 16 जुलाई से राज्य में बारिश का जोर बढ़ेगा। 16 जुलाई से 19 जुलाई के दौरान राज्य में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। अहमदाबाद और गांधीनगर में भी अच्छी बारिश की संभावना है। बता दें कि राज्य में मौसम की अब तक 60 प्रतिशत औसत बारिश हो चुकी है। जबकि सौराष्ट्र और कच्छ में यह आंकड़ा 86 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इस बीच पिछले 24 घंटों में राज्य की 71 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक नवसारी जिले के गणदेवी में 4 ईंच, वलसाड के पारडी में सवा तीन ईंच, नवसारी के खेरगाम में तीन ईंच, चीखली में 2.90 ईंच बारिश हुई है। राज्य की 7 तहसीलों में दो ईंच और 21 तहसीलों में एक ईंच भी ज्यादा बारिश होने की खबर है।

## फैमिली कोर्ट ने महिला की सौतेले बेटों से गुजारा भत्ते की मांग करती याचिका खारिज की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,यहां फैमिली कोर्ट ने एक महिला की दो सौतेले बेटों से गुजारा-भत्ता मांगने की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि वह इसकी हकदार नहीं है। सौतेले बेटों पर गुजारा-भत्ता देने को बाध्य नहीं किया जा सकता। अहमदाबाद के पालडी क्षेत्र में रहनेवाली 56 वर्षीय एक विधवा महिला ने फैमिली कोर्ट में याचिका दाखिल कर मुंबई में रहनेवाले दो सौतेले बेटों से रु 50000 बतौर गुजारा भत्ता दिलाने की मांग की थी। साथ यह आरोप भी लगाया था कि सौतेला बेटे वयस्क होने के बाद उसके साथ आप्राकृतिक यौन संबंध बनाते थे। महिला ने याचिका में बताया कि उसकी पहली शादी 10 दिसंबर 1980 को हुई थी। शादी के बाद एक बेटी का जन्म हुआ, जो फिलहाल 37 साल की है। 1985 में पहले पति की मौत के बाद उसने 1992 में दो बेटों के पिता के साथ राजस्थान में शादी की थी। आज अपनी बेटी के साथ निस्सहाय जीवन बिता रही हूं, इसलिए मुझे सौतेले बेटों से गुजारा भत्ते के तौर पर रु 50000 दिलवाए जाएं। फैमिली कोर्ट में बेटों की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि यह याचिका सुनवाई के योग्य ही नहीं है। कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसके अंतर्गत सौतेली संतान गुजारा-भत्ता दे।

महिला का अपने सौतेली संतानों के खिलाफ लगाए अप्राकृतिक यौन शोषण के आरोप आधारहीन और झूठे हैं। याचिकाकर्ता महिला के सौतेले बेटों से खून का रिश्ता नहीं है इसलिए वह गुजारा-भत्ता देने के लिए बाध्य नहीं हैं। इतना ही नहीं याचिकाकर्ता ने माता के तौर पर कोई भूमिका नहीं निभाई और वह करीब दो दशकों से अलग रहती है। अब पिता की मौत के बाद बेटों को परेशान करने के लिए यह मुकद्दमा किया गया है।

## मनाली में भारी बारिश और भूस्खलन में फंसा वडोदरा का परिवार घर लौटा, 52 घंटे बिताए कार में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा, गुजरात समेत देशभर में भारी बारिश ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। खासकर उत्तर भारत में भारी बारिश और भूस्खन के कारण अनेक यात्री हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में फंस गए हैं। हिमाचल प्रदेश के मनाली में प्राकृतिक आपदा में फंसा वडोदरा के एक परिवार ने अपने घर लौटकर राहत की सांस ली। वडोदरा के मकरपुरा में रहनेवाले परिवार ने बताया कि बारिश और भूस्खलन के बीच उन्होंने करीब 52 घंटों तक कार में बिताए। ड्राइवर और पूरा सामान कार में होने की वजह से चाहकर भी अपने पैर सीधे नहीं कर पा रहे थे। बाहर भारी बारिश और ठंड का कहर था। इतना ही नहीं कार से करीब 50 मीटर बड़ी बड़ी चट्टानें गिर रही थी, जिसे देख डर लगता था। हम कार में थे इसलिए सभी को चिंता हो रही है। हांलाकि वहां मौजूद पुलिस जवानों ने बताया कि एक बार बारिश थम जाए तो 4 से 8 घंटों के भीतर सभी को यहां सुरक्षित बाहर निकाल देंगे। वडोदरा के परिवार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों ने उनकी काफी मदद की और भोजन की व्यवस्था कर दी। काफी विषम परिस्थितियों से जूझकर वडोदरा आने पर काफी राहत मिली है।

## शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म किया पुलिस ने आरोपी शिक्षर को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शहर के दाणीलीमडा क्षेत्र में शिक्षक अपने घर में ट्यूशन क्लासिस चलाता था। जहां एक नाबालिग छात्रा को डरा धमकाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। छात्रा ने जब ट्यूशन छोड़ दिया तो उसका पीछा करने लगा। पीछा करते करते शिक्षक जब छात्रा की स्कूल तक पहुंच गया तब लोगों ने उसे पकड़ लिया। बाद में परिवार की शिकायत के आधार पर दाणीलीमड़ा पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के दाणीलीमडा चौराहे के निकट रहनेवाला सुनील परमार नामक शख्स अपने घर में ट्यूशन क्लास चलाता है। जून 2022 से अप्रैल 2023 के दौरान एक नाबालिग छात्रा ट्यूशन क्लासिस में आती थी। जिसे सुनील परमार ज्यादा समय तक अपने घर पर रोक रखता और उसे डरा धमका कर उसके साथ दुष्कर्म करता। सुनील परमार ने एक बार नहीं कई बार नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। शिक्षक की हरकतों से तंग आकर छात्रा ने ट्यूशन क्लास छोड़ दी। छात्रा के ट्यूशन क्लास छोड़ने के बाद सुनील परमार उसका पीछा करने लगा और लव लेटर लिखता। इतना ही नहीं छात्रा जब स्कूल जाती तब भी वह उसके घर से स्कूल तक पीछा कर परेशान करता।

एक दिन छात्रा का पीछा करते करते जैसे ही स्कूल पहुंचा उसे आसपास के लोगों ने पकड़ लिया और प्रिन्सिपल को इसकी जानकारी दी। प्रिन्सिपल ने तुरंत छात्रा के अभिभावकों को घटना के बारे में बताया।

जिसके बाद अभिभावक ने दाणीलीमड़ा पुलिस थाने में सुनील परमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी सुनील परमार को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।


# समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com